■ फाल्गुन शुक्ल - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 218 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 05-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

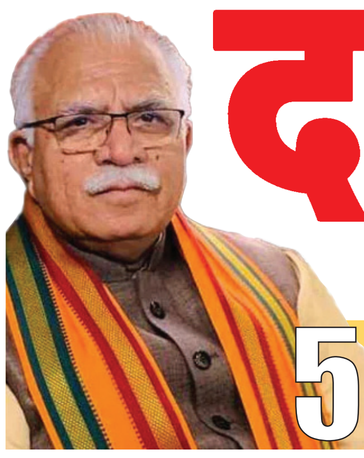

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आजादी के बाद कांग्रेस ने 'थोपी' गई सरकार बनाई : खट्टर

6 दूर तक जाएगा महाकुंभ से निकला सियासी संदेश

7 अयोध्या सनातन धर्म, सिख धर्म का 'संगम स्थल' : पुरी

फर्स्ट टेक

सर्बिया की संसद में 'स्मोक बम' फेंका गया, तीन सांसद घायल

बेलग्रेड/एपी। सर्बिया की संसद में मंगलवार को हुए हंगामे के दौरान तीन सांसद घायल हो गए। इस दौरान 'स्मोक बम' फेंके गए। सांसदों को विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए वित्त पोषण बढ़ाने वाले कानून पर मतदान करना था, लेकिन विपक्षी दलों ने इस बात पर जोर दिया कि यह सत्र अवैध है और पहले प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक और उनकी सरकार के इस्तीफे की पुष्टि होनी चाहिए। यह घटना सर्बिया में गहराते राजनीतिक संकट को दर्शाती है, जहां महीनों से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों की वजह से सरकार मुश्किल में फंसी हुई है।

ईडी ने एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष फैजी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोशलिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. के. फैजी को धन शोधन निरोधक कानून के तहत गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। इसे पहले पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जोड़ा जाता था, जिसे कुछ साल पहले केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि फैजी को सोमवार रात दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। कथित तौर पर यह अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का राजनीतिक मोर्चा है।

पूर्वी कांगो में अस्पतालों से 130 मरीजों का अपहरण

डकार (सेंगेल)/एपी। रवांडा समर्थित एम 23 विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक प्रमुख शहर के दो अस्पतालों से कम से कम 130 बीमार एवं घायल लोगों का अपहरण कर लिया। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि 28 फरवरी को एम23 लड़ाकों ने गोमा स्थित सीबीसीए एनडोशो अस्पताल और हील अफ्रीका अस्पताल पर हमला किया। यह एक रणनीतिक शहर है जिस पर विद्रोहियों ने इस वर्ष के शुरू में कब्जा कर लिया था। विद्रोहियों ने सीबीसीए से 116 रोगियों और हील अफ्रीका से 15 अन्य लोगों को अगवा कर लिया। इनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे कांगो सेना के सैनिक या सरकार समर्थक वाजालेंडो मिलिशिया के सदस्य थे।

भारत को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही दुनिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मोदी ने उद्योग जगत से ऐसे नए उत्पादों की पहचान करने को कहा, जिनका विनिर्माण देश में किया जा सके और वैश्विक मांग को पूरा किया जा सके।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय उद्योग जगत से ऐसे समय में वैश्विक अवसरों का लाभ लेने के लिए 'बड़े कदम' उठाने का आह्वान किया, जब दुनिया भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दो मिशन शुरू करेगी।

नियामकीय, निवेश और कारोबारी सुगमता के सुधारों पर बजट-बाद वेबिनार को संबोधित करते हुए मोदी ने उद्योग जगत से ऐसे नए उत्पादों की पहचान करने को कहा, जिनका विनिर्माण देश में किया जा सके और वैश्विक मांग को पूरा किया जा सके।

मोदी ने उद्योग जगत से कहा, हमारा देश ये करने में सक्षम है, आप सभी (उद्योग जगत) सक्षम हैं, ये हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। मैं चाहता हूं कि हमारा उद्योग जगत दुनिया की इन अपेक्षाओं को सिर्फ दर्शक बनकर न देखे। हम दर्शक बनकर नहीं रह सकते, आपको इसमें अपनी भूमिका तलाशनी होगी, आपको अपने लिए अवसर तलाशने होंगे।

प्रधानमंत्री ने देशभर में छह करोड़ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मझोली इकाइयों को समय पर और कम लागत वाले धन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ऋण वितरण के नए तरीके विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि पहली बार उद्यम शुरू कर रही पांच लाख महिलाओं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उद्यमियों को दो करोड़ रुपए तक का कर्ज दिया जाएगा।

मोदी ने कहा, आज भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि का इंजन है। भारत ने कठिन समय में भी अपनी जुझारू क्षमता साबित की है... आज हर देश भारत के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। हमारे विनिर्माण क्षेत्र को इस साझेदारी का लाभ उठाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की निरंतरता और सुधारों के प्रति भरोसे के कारण उद्योग जगत को नया आत्मविश्वास मिला है। मोदी ने कहा, मैं विनिर्माण और निर्यात क्षेत्र के हितधारकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में भी यह जारी रहेगा। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और बड़े कदम उठाएं। देश के विनिर्माण और निर्यात क्षेत्र के लिए नए रास्ते खुले हैं।

भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा जो विश्व को सही दिशा दे सकता है : भागवत

■ हमें केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा है जो विश्व में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तनों को सही दिशा दे सकता है। उन्होंने ऐसे समाज के निर्माण का आह्वान भी किया जो केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित न हो, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित हो।

भागवत यहां शारदा विहार स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में आरएसएस की शैक्षणिक शाखा विद्या भारती शिक्षा संस्थान के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

एक विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया, ''विश्व में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तनों को भारत की सनातन परंपरा के आलोक में दिशा देने की जरूरत है और आज जब वैश्विक परिदृश्य में कई विकृतियां उभर रही हैं, तो भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा है जो सही दिशा दे सकता है।'' उन्होंने कहा, ''इसके लिए समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए भारतीय परंपराओं पर आधारित शिक्षा, संस्कृति और नीति-निर्माण को बढ़ावा देना आवश्यक है।''

भागवत ने समाज में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''हमें केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए।''

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आने वाले समय में भारत को एक आदर्श सामाजिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना होगा, जो पूरे विश्व को शांति और सद्भाव की ओर ले जाने में सक्षम हो।

विद्या भारती की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किए जा रहे कार्यों को वैश्विक स्तर पर देखा जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इसकी व्यापकता को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, ''इससे यह साबित होता है कि संघ और उसके सहयोगी संगठनों का काम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व भी है।''

गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने कहा

गुजरात, हरियाणा पुलिस की संयुक्त टीम ने अयोध्या राम मंदिर पर हमले की साजिश को नाकाम किया

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने मंगलवार को कहा कि गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और हरियाणा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर पर हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। गृह राज्य मंत्री तीन मार्च को हरियाणा के फरीदाबाद में छापेमारी में 19 वर्षीय अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी को लेकर बात कर रहे थे।

गुजरात एटीएस ने पहले पुष्टि की कि उत्तर प्रदेश के फैजाबाद के निवासी रहमान को गुजरात एटीएस और हरियाणा एसटीएफ की संयुक्त टीम ने पकड़ा।

संघवी ने गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा, ''गुजरात एटीएस और हरियाणा एसटीएफ ने हाल ही में एक बड़े अभियान को अंजाम दिया। उनकी संयुक्त टीम ने करोड़ों हिंदुओं के पूजनीय स्थल राम मंदिर पर हमले की साजिश को नाकाम कर दिया।'' उन्होंने कहा कि पुलिस जल्द ही इस बारे में विस्तृत जानकारी साझा करेगी।

सूत्रों ने बताया कि गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और हरियाणा के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की टीम ने रविवार को फरीदाबाद के पाली से रहमान को गिरफ्तार किया था। उसके आतंकवादी होने का संदेह है और वह अयोध्या जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक रहमान उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में स्थित मिल्कीपुर कस्बे का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, रहमान ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि उसने पाली गांव के पास एक खाली मकान में दो हथगोले छिपाए थे।

राम की नगरी से ससुराल तक ट्रेन चलाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और नेपाल ने अयोध्या से जनकपुर के बीच सीधी यात्री ट्रेन चलाने और रक्सौल से काठमांडू तक रेल लाइन बिछाने की कार्य योजना तैयार कर ली है। गत सप्ताह 27-28 फरवरी को यहां भारत और नेपाल ने नौं वीं परियोजना संचालन समिति (पीएससी) और सातवीं संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठकें आयोजित कीं और सीमा पार रेलवे लिंक की परियोजनाओं के कार्यान्वयन की तैयारी और रेलवे क्षेत्र में समग्र द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (डीपीए-3) रोहित रतीश और रेल मंत्रालय के कार्यकारी निदेशक (यातायात परिवहन-फ्रेट) प्रदीप ओझा ने किया। नेपाली पक्ष का नेतृत्व दोनों बैठकों के लिए भौतिक बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील बाबू ढकाल ने किया।

एक मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और गृह मंत्रालय से आह्वान किया कि वे मिलकर ऐसे उत्पादों की एक साझा सूची बनाएं जिन्हें समयबद्ध तरीके से संयुक्त रूप से विकसित और तैनात किया जा सके।

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत के सुरक्षा तंत्र को साइबर और 'हाइब्रिड' युद्ध के साथ-साथ ''अंतरिक्ष आधारित जासूसी'' जैसे उभरते खतरों से निपटने में सक्षम बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा का अभिप्राय केवल आतंकवाद, अलगाववादी आंदोलन और वामपंथी उग्रवाद जैसे पारंपरिक खतरों से निपटना नहीं है, बल्कि इसका मतलब उन गैर पारंपरिक खतरों से निपटने की तैयारी करना भी है जो देश के आर्थिक और सामरिक हितों को अस्थिर कर सकते हैं।

सिंह ने कहा, ''आज के शत्रु हमेशा पारंपरिक हथियारों के साथ नहीं आते हैं; साइबर हमले, गलत सूचना अभियान और अंतरिक्ष आधारित जासूसी नए युग के खतरों के रूप में उभर रहे हैं जिनके लिए उन्नत समाधान की आवश्यकता है।''

रक्षा मंत्री सिंह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से ''आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी'' पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने अपने संबोधन में वैश्विक सुरक्षा में बढ़ती जटिलताओं तथा आंतरिक और बाह्य खतरों के बीच बढ़ते हुए अंतर संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''आधुनिक विश्व में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं तथा आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के बीच अंतरसंबंध बढ़ रहा है।''

सिंह ने कहा, ''यह जरूरी है कि हमारी संस्थाएं बंदिशों को तोड़कर एक मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों को एकीकृत करना चाहिए तथा नवीनतम तकनीकी प्रगति का लाभ उठाना चाहिए। सिंह ने कहा, ''डीआरडीओ ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है और आंतरिक सुरक्षा में इसका योगदान भी उतना ही सराहनीय है।''उन्होंने कहा, ''छोटे हथियारों और बुलेटप्रूफ जैकेट से लेकर निगरानी और संचार प्रणालियों तक, डीआरडीओ के नवाचार हमारे सुरक्षा बलों को सशक्त बना रहे हैं।''

सिंह ने डीआरडीओ और गृह मंत्रालय से आह्वान किया कि वे मिलकर ऐसे उत्पादों की एक साझा सूची बनाएं जिन्हें समयबद्ध तरीके से संयुक्त रूप से विकसित और तैनात किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हमारे सुरक्षा बलों को आगे रहने के लिए सर्वोत्तम उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है।''

05-03-2025 सूर्यास्त 6:18 बजे	06-03-2025 सूर्योदय 6:21 बजे
BSE 72,989.93 (-96.01)	NSE 22,082.65 (-36.65)
सोना 8,997 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 107,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कटघरे में कानून

फाँसी या उम्र कैद से क्या,
अपराधी सचमुच डर लेगा?
धाराओं की कारा में क्या,
गंदे मनसूबे हर लेगा?
जज ही जब खड़े कटघरे में,
कानून सख्त क्या कर लेगा?
जेबों में बैठ समर्थों की,
खुद को ताकों में धर लेगा।।

कोहली के करिश्मे के साथ भारत चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। सोलह महीने पहले वनडे विश्व कप फाइनल में और चौदह साल से आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मुकाबलों में मिली हर हार का बदला चुकता करते हुए भारत ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाको चार विकेट से हराकर पांचवीं बार चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में प्रवेश कर लिया और एक बार फिर जीत के नायक रहे विराट कोहली ।

भारत की जीत के साथ ही यह भी तय हो गया कि चैम्पियंस ट्रॉफी का फाइनल नौ मार्च को दुबई में ही खेला जायेगा जिसमें भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड से होगा । अगर ऑस्ट्रेलियाजीतती तो फाइनल लाहौर में खेला जाना था।

ऑस्ट्रेलियाने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टीव स्मिथ (73) और एलेक्स कैरी (61) के अर्धशतकों के दम पर 48 . 1 ओवर में 264 रन बनाये जिसके जवाब में भारत ने 11 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया । 'प्लेयर आफ द मैच' कोहली ने 98 गेंद में पांच चौकों की मदद से 84 रन बनाये ।

19 नवंबर 2023 को कप्तान रोहित शर्मा समेत करोड़ों क्रिकेटप्रेमियों की आंखों में आंसू थे जब अहमदाबाद में आस्ट्रेलियाई टीम ने भारत का विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा था । इसके अलावा भी आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलियाभारत के लिये 'अभेद किला' साबित होता रहा है जिसमें आखिरी बार हम 2011 वनडे विश्व कप में ही सेंध लगा पाये थे । उन सभी नाकामियों से मिले हर जख्म पर मरहम लग गया जब केएल राहुल ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई ।

छह गेंदबाजी विकल्प चाहता था : रोहित शर्मा

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आस्ट्रेलिया पर चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में मिली जीत के बाद मंगलवार को कहा कि वह बल्लेबाजी की गहराई से समझौता किये बिना छह गेंदबाजी विकल्प टीम में चाहते थे । रोहित ने पुरस्कार समारोह में कहा ,'' मैं सचमुच टीम में छह गेंदबाजी विकल्प चाहता था और यह भी चाहता था कि आठवें नंबर तक बल्लेबाजी भी रहे । हमने टीम बनाते समय इस पर बात की थी । टीम तैयार करने में शामिल हर व्यक्ति को इसका श्रेय जाता है ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें लगा था कि यह अच्छा स्कोर है और हमें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी जो हमने की । हम शांत होकर खेले और विकेट भी अच्छी थी ।''

किम की बहन ने अमेरिका को जवाबी प्रतिक्रिया की दी धमकी

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया में अमेरिकी विमान वाहक पोत और अन्य सैन्य गतिविधियों पर जवाबी प्रतिक्रिया देने की मंगलवार को धमकी दी। किम यो जोंग ने इसे अमेरिका और उसके पिट्ठुओं का टकरावपूर्ण उन्मादी कदम करार दिया। किम यो जोंग की चेतावनी का तात्पर्य यह है कि उत्तर कोरिया संभवतः हथियार परीक्षण गतिविधियों में तेजी लाएगा तथा अमेरिका के खिलाफ टकराव का रुख बरकरार रखेगा। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए किम जोंग उन से संपर्क करेंगे। सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, एक बयान में किम यो जोंग ने अमेरिका पर उत्तर कोरिया के प्रति अपनी सबसे शत्रुतापूर्ण और टकराव वाली इच्छा को स्पष्ट रूप से दिखाने का आरोप लगाया।

मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 फीसदी शुल्क लागू होगा : ट्रंप

■ ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के व्यापार असंतुलन को भी समाप्त करना चाहते हैं तथा अधिकाधिक कारखानों को अमेरिका में स्थानांतरित करना चाहते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

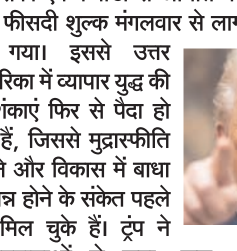

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि मेक्सिको एवं कनाडा से आयात पर 25 फीसदी शुल्क मंगलवार से लागू हो गया। इससे उत्तर अमेरिका में व्यापार युद्ध की आशंकाएं फिर से पैदा हो गई हैं, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ने और विकास में बाधा उत्पन्न होने के संकेत पहले ही मिल चुके हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, कल - कनाडा पर 25 प्रतिशत और मेक्सिको पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा और इसकी शुरुआत हो जाएगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि शुल्क का उद्देश्य दोनों अमेरिकी पड़ोसियों को मादक पदार्थ फेंटेनाइल तस्करी के खिलाफ लड़ाई तेज करने और अवैध आव्रजन को रोकने के लिए मजबूर करना है। लेकिन ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के व्यापार असंतुलन को भी समाप्त करना चाहते हैं तथा अधिकाधिक कारखानों को अमेरिका में स्थानांतरित करना चाहते हैं।

उनकी टिप्पणियों ने अमेरिकी शेयर बाजार को झकझोर कर रख दिया, सोमवार दोपहर के कारोबार में एसएंडपी 500 इंडेक्स में दो प्रतिशत की गिरावट आई। यह राजनीतिक और आर्थिक जोखिमों का संकेत है, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ने और मेक्सिको और कनाडा के साथ दशकों पुरानी व्यापार साझेदारी खत्म होने की आशंका है।

फिर भी ट्रंप प्रशासन को भरोसा है कि शुल्क अमेरिकी विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वनतारा की सराहना की

लोगों से जानवरों के प्रति दया का भाव रखने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास की अनूठी पहल 'वनतारा' की सराहना करते हुए लोगों से जानवरों के प्रति दया का भाव रखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया था

करीब 3,000 एकड़ क्षेत्र में फैला वनतारा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स में स्थित है। यह हाथियों और वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित एक बचाव केंद्र है, जो दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए जानवरों को अभयारण्य, पुनर्वास और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वनतारा नामक एक अनूठी वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास पहल का उद्घाटन किया, जो पारिस्थितिकी स्थिरता और वन्यजीव कल्याण को बढ़ावा देते हुए जीव-जन्तुओं के लिए एक सुरक्षित पर्यावास प्रदान करती है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस अत्यंत सहानुभूतिशील प्रयास के लिए अनंत अंबानी और उनकी पूरी टीम की सराहना करता हूं। वनतारा जैसा प्रयास वाकई सराहनीय है, यह हमारे सदियों पुराने लोकाचार का जीवंत उदाहरण है कि हम उन जीव-जन्तुओं की भी रक्षा करते हैं, जो इस पृथ्वी पर हमारे साथ रहते हैं।'' मोदी ने कहा कि वनतारा में उन्होंने एक हाथी को देखा, जो तेजाब हमले का शिकार हुआ था। उन्होंने कहा, ''हाथी का बेहद सावधानी से इलाज किया जा रहा था। अन्य हाथी भी थे, जिन्हें अंधा कर दिया गया था और वह भी, विडंबना यह है कि उनके महावत द्वारा। एक अन्य हाथी को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। यह एक महत्वपूर्ण सवाल को रेखांकित करता है कि लोग इतने लापरवाह और क्रूर कैसे हो सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''आइए हम इस तरह की गैरजिम्मेदारी को खत्म करें और जानवरों के प्रति दया पर ध्यान दें।'' वाहन की चपेट में आने के बाद एक शेरनी को रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई थी। उन्होंने कहा, ''उसे उचित देखभाल मिल रही थी। परिवार द्वारा छोड़े गए तेंदुए के शावक को उचित पोषण देखभाल के साथ नया जीवन मिला है। मैं वनतारा की टीम को ऐसे कई जानवरों की देखभाल के लिए बधाई देता हूं।''

सरकार नियामकीय बोझ कम करने, देश को निर्यात अनुकूल बनाने के लिए उठा रही कदम : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार नियामकीय बोझ को कम करने के साथ राज-काज के स्तर पर भरोसा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और भारत को निर्यात अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कदम उठा रही है।

सीतारमण ने 'वृद्धि के इंजन के रूप में एमएसएमई, विनिर्माण, निर्यात, नियामकीय, निवेश और कारोबार सुगमता के लिए सुधार' विषय पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि अनावश्यक नियामकीय बाधाओं से मुक्त एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र घरेलू और विदेशी दोनों निवेश को आकर्षित करेगा, आर्थिक वृद्धि को गति देगा और भारत को एक भरोसेमंद वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा। सीतारमण ने कहा, ''हमारी सरकार कारोबार सुगमता में सुधार के लिए नियामकीय बोझ को कम करने और राज-काज में भरोसा बढ़ाने के लिए दृढ़ है। बजट घोषणाओं के माध्यम से, हम भारत को एक निर्बाध, निर्यात-अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जिसमें कंपनियां कागजी कार्रवाई और दंड के बजाय नवोन्मेष और विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होंगी।'' इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग जगत से ऐसे समय में वैश्विक अवसरों का लाभ लेने के लिए 'बड़े कदम' उठाने का आह्वान किया, जब दुनिया भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही है।

चीन, मेक्सिको, कनाडा पर अमेरिकी शुल्क से भारतीय निर्यातकों को फायदा होगा : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका द्वारा चीन, मेक्सिको और कनाडा पर उच्च शुल्क लगाए जाने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों को लाभ हो सकता है उनमें कृषि, इंजीनियरिंग, मशीन उपकरण, परिधान, कपड़ा, रसायन और चमड़ा शामिल हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जब अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाया था, तो भारत चौथा सबसे बड़ा लाभार्थी था। ट्रंप प्रशासन मेक्सिको और कनाडा पर 25% शुल्क लगा रहा है और यह मंगलवार से लागू हो गया है। अमेरिका ने चीन से सभी आयात पर शुल्क को दोगुना करके 20% कर दिया है। फियो के मनोनीत अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा, इससे कृषि, इंजीनियरिंग, मशीन उपकरण, परिधान, कपड़ा, रसायन और चमड़ा जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों को मदद मिल सकती है।

अगस्ता वेस्टलैंड: दिल्ली उच्च न्यायालय ने ईडी मामले में क्रिश्चियन मिशेल को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 3,600 करोड़ रुपए के अगस्ता वेस्टलैंड धन शोधन मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को मंगलवार को जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने 28 फरवरी को मिशेल की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने 18 फरवरी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक संबंधित मामले में ब्रिटिश नागरिक मिशेल को जमानत दे दी थी। जांच एजेंसियों ने इतालवी विनिर्माण कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टर की खरीद में अनियमितताओं का आरोप लगाया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील ने मिशेल की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जमानत दिए जाने के लिए वह शर्तों को पूरा नहीं करता है और उसके भागने का खतरा है। मिशेल के वकील ने इस आधार पर राहत का अनुरोध किया कि वह पहले ही हिरासत में काफी समय बिता चुका है। उन्होंने पूर्व में कहा था कि धन शोधन निरोधक कानून के तहत अधिकतम सात साल की सजा का प्रावधान है, लेकिन मिशेल ने छह साल से अधिक समय जेल में बिताया। मिशेल को दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और बाद में सीबीआई और ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। मिशेल इस मामले में कथित तीन बिचौलियों में से एक है। गुइडो हैश्के और कार्लो गेरोसा अन्य दो बिचौलिए हैं। सीबीआई के आरोपपत्र में आरोप लगाया गया कि आठ फरवरी, 2010 को 55.62 करोड़ यूरो मूल्य के वीवीआईपी हेलीकॉप्टर की आपूर्ति के लिए किए गए सौदे के कारण सरकारी खजाने को 39.82 करोड़ यूरो (लगभग 2,666 करोड़ रुपए) का अनुमानित नुकसान हुआ।

ईडी ने जून 2016 में धन शोधन से संबंधित एक मामले में मिशेल के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में आरोप लगाया था कि उसने अगस्ता वेस्टलैंड से तीन करोड़ यूरो (लगभग 225 करोड़ रुपए) प्राप्त किए थे।

हिमाचल प्रदेश का बिलासपुर सितंबर 2027 तक रेल नेटवर्क से जुड़ने की संभावना : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश का बिलासपुर सितंबर 2027 तक देश के रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर इस परियोजना के लिए अपने हिस्से की राशि नहीं देने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं बिलासपुर से सांसद ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार महत्वाकांक्षी भानुपल्ली-बिलासपुर रेलवे लाइन परियोजना के लिए राशि मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि यह लाइन सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

ठाकुर ने आरोप लगाया, ''लेकिन राज्य सरकार न तो परियोजना के लिए अपना हिस्सा (धन राशि) दे रही है और न ही केंद्र सरकार द्वारा भेजे जा रहे धन का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए धन का इस्तेमाल कांग्रेस सरकार विभिन्न मदों में कर रही है। ठाकुर ने यहां कहा, ''भानुपल्ली-बिलासपुर रेलवे लाइन का निर्माण कार्य जिस गति से किया जा रहा है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि सितंबर 2027 तक बिलासपुर में भी ट्रेन की सिटी बजने लगेगी।''

भाजपा सांसद ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार में 54.80 करोड़ नए बैंक खाते खोले गए हैं और उनमें दो लाख करोड़ रुपए से अधिक जमा हुए हैं, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में बड़ी क्रांति आई है।

उन्होंने कांग्रेस को ''झूठों'' की पार्टी करार दिया। बिलासपुर और हमीरपुर जिल के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान ठाकुर ने भड़ोली कलां क्षेत्र में एक बैंक शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर झंडूता विधानसभा सीट से भाजपा विधायक जे आर कटवाल भी मौजूद थे।

तेलंगाना सुरंग हादसा : बचाव अभियान जारी, क्षतिग्रस्त कन्वेयर चालू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगरकुरनूल (तेलंगाना)/भाषा। श्रीशैलम उत्तर तटीय नहर (एसएलबीसी) परियोजना की आंशिक रूप से ध्वस्त सुरंग में 'कन्वेयर बेल्ट' की मरम्मत कर उसे मंगलवार को चालू कर दिया गया जिसके नीचे पिछले 11 दिनों से आठ लोग फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अब बचाव कर्मियों के लिए मलबे को हटाना आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 फरवरी को हादसे के बाद 'कन्वेयर बेल्ट' क्षतिग्रस्त हो गई थी। मंगलवार को 11वें दिन बचाव अभियान तेजी से जारी रहा।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के एक अधिकारी ने बताया कि एससीआर की टीम ने सुरंग के अंदर क्षतिग्रस्त टनल बोरिंग मशीन के प्लेटफॉर्म को काट दिया है। इस टीम में धातू को काटने वाले विशेषज्ञ भी थे।

एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि फंसे हुए आठ लोगों का पता लगाने के प्रयासों में कोई सफलता नहीं मिली है और बचावकर्मी हर दिन तीन पालियों में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलबा हटाने और पानी निकालने की प्रक्रिया जारी है।

नगरकुरनूल जिले के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने सोमवार शाम कहा कि राज्य सरकार बचाव कर्मियों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए बचाव अभियान में रोबोट तैनात करने के विकल्प पर विचार कर रही है।

सुरंग के अंदर भारी मात्रा में कीचड़ और पानी होने के कारण बचाव अभियान में शामिल टीमों के लिए चुनौती उत्पन्न हो गई।

एसएलबीसी परियोजना सुरंग में 22 फरवरी से आठ लोग फंसे हुए हैं जिनमें इंजीनियर और मजदूर शामिल हैं। एनडीआरएफ, भारतीय सेना, नौसेना और अन्य एजेंसियों के विशेषज्ञ उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को घटना स्थल का दौरा किया और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे अधिकारियों को सुझाव दिया कि अगर जरूरत हो तो सुरंग के अंदर रोबोट का उपयोग करें, ताकि बचावकर्मियों को किसी भी तरह के खतरे से बचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षतिग्रस्त 'कन्वेयर बेल्ट' की मरम्मत के बाद बचाव अभियान में तेजी आएगी।

आजमी के औरंगजेब वाले बयान पर

महाराष्ट्र विधानमंडल में हंगामा, सदस्यों ने निलंबन की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबु आसिम आजमी के मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ वाले बयान का मुद्दा मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों में छाया रहा। सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' के सदस्यों ने आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने और उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की।

इस मुद्दे पर हंगामे के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। यह घटनाक्रम ऐसे दिन हुआ है, जब विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे को लेकर सरकार को घेरने की योजना बनाई थी। जैसे ही दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई, 'महायुति' के सदस्यों ने सपा के प्रदेश अध्यक्ष आजमी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने दावा किया कि आजमी औरंगजेब के वंशज हैं, जिसने मराठा शासक छत्रपति संभाजी महाराज को प्रताड़ित किया और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद और विधानसभा दोनों में आजमी पर निशाना साधा।

परिषद में, पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आजमी ने अतीत में भी मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए थे। शिंदे ने परिषद में कहा, ''अबु आजमी जानबूझकर छत्रपति शिवाजी महाराज और (उनके बेटे) छत्रपति संभाजी का अपमान कर रहे हैं। संभाजी महाराज की बहादुरी और औरंगजेब की क्रूरता लोगों के रोंगटे खड़े कर देगी।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि औरंगजेब ने संभाजी महाराज को अमानवीय तरीके से प्रताड़ित किया। शिंदे ने कहा कि आजमी ने औरंगजेब को एक कुशल प्रशासक बताया जिसने मंदिर बनवाए लेकिन उसने काशी विश्वेश्वर मंदिर को ढहा दिया। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह ने न केवल हिंदुओं को बल्कि अन्य धर्मों के लोगों को भी मारा। शिंदे ने कहा, ''औरंगजेब जीत कर भी हार गया, लेकिन संभाजी ने अपनी बहादुरी से बलिदान के बाद भी जीत हासिल की। वह (औरंगजेब) राक्षस था। एक सच्चा मुसलमान भी गद्दारों की संतान को माफ नहीं करेगा। औरंगजेब की प्रशंसा करना गलत है।'' उन्होंने यह भी मांग की कि आजमी की विधानसभा की सदस्यता रद्द की जाए। शिवसेना नेता ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा करने की हरकत को कोई बर्दाश्त नहीं करेगा।

विधानसभा में, शिंदे ने कहा कि आजमी ''गद्दार'' हैं और उन्हें विधानसभा में बैठने का कोई अधिकार नहीं है।

शिंदे ने सपा के विधायक रईस शेख से हाल में आई हिंदी फिल्म 'छावा' देखने को कहा, जिसमें संभाजी महाराज की बहादुरी और बलिदान को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा, ''देखिए, संभाजी महाराज ने 40 दिनों तक कितनी यातनाएं झेलीं। औरंगजेब ने उनसे अपना धर्म बदलने को कहा था।''

शिवसेना प्रमुख ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा करना देश के राष्ट्रीय नायकों का अपमान है।

छत्तीसगढ़: कबीरधाम में छह महिला पंचों की जगह उनके पतियों ने शपथ ली, जांच के आदेश

कवर्धा/भाषा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के एक गांव में नवनिर्वाचित छह महिला पंचों के पतियों ने उनकी जगह कथित तौर पर पद की शपथ ली, जिसके बाद प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। कथित घटना सोमवार को पंडरिया विकासखंड के परसवारा ग्राम पंचायत में हुई। कबीरधाम जिला पंचायत के सीईओ अजय त्रिपाठी ने बताया कि परसवारा गांव में पंचायत प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद पंडरिया जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

त्रिपाठी ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में हाल ही में संपन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण सोमवार को उनके संबंधित क्षेत्रों में पहली बैठक के दौरान हुआ।

अधिकारियों के मुताबिक, परसरवारा ग्राम पंचायत में चुने गए 11 वार्ड पंचों में छह महिलाएं शामिल हैं, जबकि सरपंच पुरुष है।

पंचायत सचिव ने इन छह महिला पंचों की जगह उनके पतियों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद की शपथ दिलाई।

हर तिमाही 2,500 करोड़ रुपए खर्च करने का दीपिंदर गोयल का दावा असत्य: जेप्टो सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्वरित आपूर्ति मंच जेप्टो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित पलिचा ने मंगलवार को प्रतिद्वंद्वी कंपनी जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल की उस टिप्पणी को 'सत्यापन के लिहाज से असत्य' बताया जिसमें जेप्टो के हर तिमाही में 2,500 करोड़ रुपए खर्च करने का दावा किया गया था।

पलिचा ने कहा कि कंपनी के वित्तीय विवरणों को सार्वजनिक रूप से दाखिल करने पर गोयल का यह दावा गलत साबित हो जाएगा।

पलिचा ने पेशेवर नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन पर गोयल के हवाले से आई रिपोर्टों पर बात करते हुए कहा कि वह अच्छे विश्वास के साथ एक स्टार्टअप पारिस्थितिकी का निर्माण करने और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वस्तरीय उत्पाद बनाने की मंशा रखते हैं।

गोयल ने कहा था कि त्वरित आपूर्ति कारोबार से जुड़ी कंपनियां हर तिमाही में 5,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं और इसमें से आधे से ज़्यादा हिस्सा जेप्टो का है। इस पर पलिचा ने कहा, ''गोयल के इस दावे से यही मतलब निकलता है कि हमें हर तिमाही में 2,500 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो रहा है।''

उन्होंने गोयल के इस दावे पर कहा, ''यह कथन सत्य नहीं है और यह तब स्पष्ट हो जाएगा जब हम अपने वित्तीय विवरण सार्वजनिक रूप से दाखिल करेंगे।''

हालांकि, पलिचा ने यह कहा कि गोयल के अच्छे इरादे हैं और उनके बयान को संदर्भ से हटकर देखा जा रहा है।

आदित पलिचा ने कहा कि जब गोयल ने जोमैटो की शुरुआत की थी, तब उनकी उम्र महज पांच साल थी।

उन्होंने कहा कि गोयल भारतीय स्टार्टअप परिवेश के लिए एक 'रोल मॉडल' बन गए हैं और जोमैटो से सीखना और प्रतिस्पर्धा करना एक सौभाग्य की बात है।

चीन की मदद के बावजूद सीमा पार स्थिति बहुत खराब: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

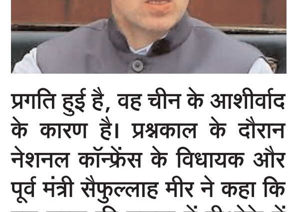

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के बीच नोकझोंक के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर के विभाजित हिस्सों के बीच कोई तुलना नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान को चीन की मदद के बावजूद सीमा पार की स्थिति 'बहुत खराब' है। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर हिस्सा काफी विकसित है, हालांकि हमने अपनी सड़कें बनाने के लिए कभी चीन, अमेरिका, इंग्लैंड या फ्रांस से मदद नहीं मांगी।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों को शांत करने के लिए की, जिनके बीच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विकास को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। अब्दुल्ला ने कहा, सीमा पार के क्षेत्रों में जो भी प्रगति हुई है, वह चीन के आशीर्वाद के कारण है। प्रश्नकाल के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक और पूर्व मंत्री सैफुल्लाह मीर ने कहा कि इस तरफ की तुलना में पीओके में बुनियादी ढांचा बेहतर है। उन्होंने कुपवाड़ा जिले के केरन और जुमागुंड के सीमावर्ती क्षेत्रों को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए एक सुरंग के निर्माण की भी वकालत की। भाजपा के आर एस पठानिया ने दोनों तरफ की तुलना करने पर आपत्ति जताई।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक नजीर गुरेजी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक सज्जाद गनी लोन ने मीर का बचाव किया। उन्होंने स्थानीय लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया, खासकर सर्दियों के दौरान जब बर्फ के कारण कई महीनों तक सड़कें बंद रहती हैं। हालांकि अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने यह सुनिश्चित किया कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलती रहे, जबकि पठानिया ने मीर की टिप्पणी की निंदा की।

पठानिया ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, उन्होंने (मीर) ऐसे देश की प्रशंसा की, जिसके साथ हमारा कोई राजनयिक संबंध नहीं है। हमारे देश ने चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए अपनी क्रिकेट टीम वहां नहीं भेजी और यह वह देश है जो भारत में अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। मीर की टिप्पणी चिंताजनक और निंदनीय है तथा मुख्यमंत्री को इस पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करना चाहिए। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान जब भाजपा सदस्य शाम लाल शर्मा बोल रहे थे, तो मीर अपनी सीट से उठे और पठानिया द्वारा उन्हें देशद्रोही कहे जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, मेरा इरादा (कश्मीर के) दोनों हिस्सों के बीच तुलना करने का नहीं था।

मुंडे का इस्तीफा पर्याप्त नहीं, फडणवीस सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू करें : आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने का आरोप लगाते हुए देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त करने और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। वह राज्य के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता धनंजय मुंडे के इस्तीफे के मद्देनजर यहां संवाददाताओं से बात कर रहे थे। कुछ दिन पहले मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड को बीड जिले के मासजोग गांव के सरपंच की हत्या के मामले में सूत्रधार बताया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सिर्फ मुंडे का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है। सरपंच देशमुख को पिछले साल नौ दिसंबर को कथित तौर पर जिले में एक ऊर्जा कंपनी से की जा रही जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास करने पर अगवा कर लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। संवाददाताओं से बातचीत में ठाकरे ने कहा, ''मुंडे का इस्तीफा काफी नहीं है। सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए।'' पूर्व मंत्री ने महिलाओं के खिलाफ अपराध की हाल की घटनाओं का भी हवाला दिया जिनमें पुणे में महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस में 26 वर्षीय महिला से कथित बलात्कार और मुंबई में 17 वर्षीय लड़की को आग के हवाले करने की घटना शामिल है। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन साल से राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही है। अगर सरकार को बर्खास्त नहीं किया गया तो महाराष्ट्र में निवेश के लिए कौन आएगा, नागरिक कैसे सुरक्षित रहेंगे?''

ठाकरे ने सरपंच हत्या मामले में पूरक आरोपपत्र की भी मांग की, जिसका मतलब यह है कि मुंडे को भी आरोपी बनाया जाना चाहिए।

केंद्र ने उत्तरी राज्यों में तमिल पढ़ाने के लिए संस्थान क्यों नहीं स्थापित किए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने कथित तौर पर हिंदी थोपने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर भारत के राज्यों के लोगों को तमिल या अन्य दक्षिण भारतीय भाषाएं सिखाने के लिए संस्थान स्थापित करने में मदद क्यों नहीं की। 'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित पत्र में स्टालिन ने कहा कि 'गूगल ट्रांसलेट', 'चैट (जीपीटी)' और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी तकनीक लोगों को भाषा संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करती हैं और छात्रों के लिए केवल आवश्यक तकनीक सीखना फायदेमंद होगा। किसी भाषा को थोपना उन पर केवल बोझ होगा। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि गांधीजी का मानना था कि दक्षिणी राज्यों के लोग हिंदी सीखें और उत्तरी राज्यों के लोग दक्षिणी भाषाओं में से एक सीखें, जिससे राष्ट्रीय एकता का मार्ग प्रशस्त होगा और राष्ट्रपिता की इच्छा को पूरा करने के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की गई थी। स्टालिन ने कहा, गांधी जी ने खुद चेन्नई में सभा के मुख्यालय में कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और वर्तमान में ये सभा छह हजार केंद्रों के साथ दक्षिणी राज्यों में काम कर रही है।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर पूछा कि क्या उत्तर भारत में 'उत्तर भारत तमिल प्रचार सभा या द्रविड़ भाषा सभा' जैसा कोई संगठन स्थापित किया गया है, ताकि उत्तरी राज्यों के लोगों को दक्षिणी राज्यों की भाषाओं में से किसी एक भाषा को सीखने में सुविधा हो? मुख्यमंत्री ने भाजपा का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने गंगा नदी के तट पर संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का दावा किया था, उन्होंने उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या ऐसे लोग तमिल का प्रचार करने के लिए कोई संस्था स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि 'जो लोग गोडसे के मार्ग पर चलते हैं, वे गांधी के उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे।'

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, जिसे 1964 में संसद द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया गया था, की स्थापना 1918 में महात्मा गांधी ने दक्षिणी राज्यों में हिंदी का प्रचार करने के उद्देश्य से की थी और इसके पहले प्रचारक उनके पुत्र देवदास गांधी थे।

तमिलनाडु : शिक्षा को लेकर द्रमुक-भाजपा में तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने मंगलवार को राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना करते हुए दावा किया कि बच्चों के भविष्य की तुलना में उस पार्टी के लिए राजनीति प्राथमिकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर बढ़ते वाकयुद्ध में, द्रमुक उप महासचिव कनिमोझी ने अन्नामलाई को चुनौती देते हुए कहा कि 'यदि उन्हें सही मायने में चिंता है' तो वह सुनिश्चित करें कि केंद्र शिक्षा के लिए धनराशि जारी करे। कनिमोझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि तमिलनाडु कभी भी 'भाजपा के दुष्प्रचार, आर्थिक रूप से उसका गला दबाने और हिंदी थोपने के एजेंडे' को स्वीकार नहीं करेगा।

कनिमोझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा दुनिया जानती है कि भाजपा कैसे आंकड़ों में हेरफेर करती है। डॉ परकला प्रभाकर ने 'द क्रुक्ड टिम्बर ऑफ न्यू इंडिया: एसेज ऑन ए रिपब्लिक इन क्राइसिस' में इसका पर्दाफाश किया है। थूथुकुडी से द्रमुक सांसद ने कहा कि भाजपा चुनिंदा आंकड़ों का हवाला देकर और अपने प्रचार के लिए संख्याओं को तोड़-मरोड़ कर पेश करके फलती-फूलती है। उन्होंने कहा कि एएसईआर के आंकड़े 'गढ़े हुए' हैं और यही वजह है कि

द्रमुक सरकार शिक्षा नीतियों के वास्तविक प्रभाव पर अपना सर्वेक्षण कर रही है। कनिमोझी ने कहा कि कि 2025 के आर्थिक सर्वेक्षण में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा में क्रांति लाने के लिए तमिलनाडु की प्रशंसा की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों के विपरीत, द्रमुक ने अपने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखा है।

कनिमोझी ने पोस्ट में कहा, आप तमिलनाडु के छात्रों की परवाह करने का दावा करते हैं – तो फिर आपकी सरकार ने तमिलनाडु को मिलने वाले समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के 2,152 करोड़ रुपये क्यों रोक रखे हैं? अगर आपको वाकई परवाह है, तो हमें उपदेश देने के बजाय अपनी केंद्र सरकार से कहें कि वह यह राशि जारी करे। उन्होंने केंद्र पर केंद्रीय विद्यालयों से जर्मन और अन्य विदेशी भाषाओं को कथित तौर पर हटाने और हिंदी और संस्कृत थोपने, छात्रों को वैश्विक संपर्क से वंचित करने और भाजपा के विभाजनकारी वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। कनिमोझी ने कहा अगर आप वाकई तीन-भाषा नीति की वकालत कर रहे हैं, तो हमें इस बारे में आंकड़े दें कि कितने केवी स्कूल तमिल पढ़ाते हैं? क्या आपको पता है कि तमिलनाडु के कई केवी में तमिल शिक्षक नहीं हैं? इसके जवाब में अन्नामलाई ने एक्स पर कहा अगर भारत सरकार द्वारा प्रकाशित आंकड़े तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हैं, तो आप इसे पक्षपाती कहेंगे। अगर आंकड़े सराहनीय हैं, तो आप इसे पहले पन्ने पर प्रकाशित करेंगे। उन्होंने कहा कि द्रमुक की असलियत सामने आ जाएगी जब तमिलनाडु सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को समझने के लिए सर्वेक्षण करवाएगी। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि परिणाम आपके भाई के शासन में तमिलनाडु में आज शिक्षा के बिगड़ते मानकों को इंगित करेंगे।

केंद्र से गहरे समुद्र में खनन प्रस्ताव को वापस लेने का आग्रह वाला प्रस्ताव केरल विस में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें केंद्र सरकार से राज्य के तट पर गहरे समुद्र में खनिज खनन की अनुमति देने के अपने कदम को वापस लेने का आग्रह किया गया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा पेश प्रस्ताव विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) विधायकों के हंगामे के बीच पारित किया गया, जो विधानसभा अध्यक्ष पर सत्तारूढ़ मोर्चे के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाते हुए उनके आसन के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

यूडीएफ विधायक राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन को उनका भाषण पूरा नहीं करने देने का विरोध कर रहे थे। इसके बाद वे सदन से बाहर चले गए, क्योंकि आशा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर चर्चा के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करने की उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई। इस विरोध के कारण गहरे समुद्र में खनन संबंधी प्रस्ताव बिना चर्चा के पारित कर दिया गया।

केरल सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि राज्य के तट पर गहरे समुद्र में खनन शुरू करने के केंद्र के कदम को किसी भी कीमत पर अनुमति नहीं दी जा सकती और इस संबंध में राज्य के मछुआरा समुदाय की चिंता से केंद्र सरकार को पहले ही अवगत करा दिया गया है। उसने सदन में पहले कहा था कि अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-2002 के मानदंड तथा पिछले वर्ष इसमें किए गए संशोधन, दोनों ही राज्यों के हित में नहीं हैं। सत्तारूढ़ मोर्चे ने विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफ से भी प्रस्तावित गहरे समुद्र में खनन के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया था।

यूडीएफ ने संयुक्त विरोध प्रदर्शन के निमंत्रण को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि वाम सरकार खनन पहल का समर्थन कर रही है। उसने कहा है कि वह केंद्र के इस कदम के खिलाफ अलग से विरोध प्रदर्शन करेगी। राज्य सरकार ने पिछले महीने विधानसभा में कहा था कि दीर्घकाल में गहरे समुद्र में खनन से पारंपरिक समुद्री और बैकवाटर मछली भंडार पूरी तरह नष्ट हो जाएगा, तटीय क्षरण और रोजगार हानि बढ़ेगी और मछुआरों की नौकाओं के लिए बाधा उत्पन्न होगी।

केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने हाल ही में कहा था कि केरल ने गहरे समुद्र में खनन प्रस्ताव के खिलाफ तीन बार पर औपचारिक रूप से अपना विरोध दर्ज कराया है। पिछले महीने, केंद्र सरकार के निर्णय के विरोध में केरल मत्स्य समन्वय समिति के तहत मछुआरा संघों द्वारा 24 घंटे की हड़ताल का आयोजन किया गया। विरोध प्रदर्शन के तहत मछुआरों ने मछली पकड़ने की गतिविधियों से परहेज किया, जिसके कारण तटीय क्षेत्र में मछली संबंधी केंद्र और मछली बाजार प्रभावित हुए। समिति के नेताओं के अनुसार, केंद्र ने पांच क्षेत्रों – कोल्लम दक्षिण, कोल्लम उत्तर, अलप्पुझा, पोन्नानी और चवक्कड़ में अपतटीय खनन के लिए रेत ब्लॉकों की नीलामी करने का निर्णय लिया है। विरोध प्रदर्शन के तहत समिति ने 12 मार्च को संसद मार्च आयोजित करने की योजना भी बनाई है।

मुरलीधरन ने जॉर्डन से केरल के व्यक्ति का शव वापस लाने के लिए जयशंकर से हस्तक्षेप करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता वी मुरलीधरन ने जॉर्डन से केरल के एक व्यक्ति के शव को वापस लाने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से हस्तक्षेप करने की मांग की है। केरल के एनी थॉमस गैब्रियल नाम के व्यक्ति की पिछले महीने इजराइल-जॉर्डन सीमा पर जॉर्डन के सुरक्षाबलों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पूर्व विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने यहां के निकट थुम्बा में मृतक एनी थॉमस गैब्रियल के परिवार से मुलाकात की।

मुरलीधरन के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, शव को वापस लाने के वास्ते प्रक्रियाओं में तेजी लाने के लिए मुरलीधरन ने जयशंकर से आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया है कि मुरलीधरन ने गैब्रियल के निवास पर जाने के बाद यह अनुरोध किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने थुम्बा पैरिश के पादरी शाजन जोस के साथ भी चर्चा की। गैब्रियल के परिवार ने रविवार को कहा था कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास से एक ई-मेल मिला, जिसमें उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई थी।

यह घटना कथित तौर पर 10 फरवरी को घटित हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। परिवार के सदस्यों के अनुसार, गैब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली लगी थी, लेकिन वह बच गया और घायल अवस्था में घर लौट आया है। खबरों के अनुसार, गैब्रियल और एडिसन चार सदस्यीय समूह का हिस्सा थे, जो एक एजेंट की मदद से जॉर्डन से इजराइल की सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। ये चारों तीन महीने के वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे। जॉर्डन की सेना ने उन्हें सीमा पर रोक लिया, लेकिन जब उन्होंने भागने का प्रयास किया, तो सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

सिनेमा के माध्यम से समाज में हिंसा को बढ़ावा मिलना एकतरफा तर्क है : निर्देशक संघ

कोच्चि। केरल फिल्म कर्मचारी महासंघ के निर्देशकों के संघ के अनुसार, यह विचार केवल एकतरफा तर्क है कि हिंसा पर आधारित फिल्में युवाओं को भयावह अपराध करने के लिए प्रेरित करती हैं। यहां मंगलवार को जारी एक बयान में संघ के अध्यक्ष रेनजी पणिक्कर और महासचिव जी. एस. विजयन ने कहा कि उन्होंने सरकार, राजनीतिक नेताओं, मनोवैज्ञानिकों, मीडिया और पुलिस की राय पर गौर किया है कि ऐसी फिल्मों ने ही युवाओं को हिंसा के लिए प्रेरित किया, जिसने हाल के दिनों में हमारे राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बयान में कहा गया है, यह राय एक बहुत ही कमजोर और सरल सिद्धांत पर आधारित हैं कि फिल्मों में दर्शाई गई 'हिंसा' सामाजिक बुराइयों का कारण बनती है। बयान में कहा गया है कि हिंसा को लेकर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से विश्लेषण किया गया है। अध्ययनों से यह स्पष्ट हो गया है कि व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक असुरक्षा, अलगाव, बहिष्कार और हाशिए पर डाले जाने के कारण हिंसा हो सकती है

बयान में तर्क दिया गया है कि अभूतपूर्व मीडिया की दुनिया में वेब सीरीज, गेम और अन्य विदेशी फिल्मों के माध्यम से कहीं से भी सांस्कृतिक आक्रमण संभव है। इसमें कहा गया है कि सबसे अधिक हिंसा वाली फिल्में कोरिया और जापान से आ रही हैं जबकि, जापान सबसे कम अपराध दर वाला देश है। इसमें कहा गया है, फिल्मों को हिंसा का एकमात्र कारण बताना बेतुका और गलत है। साथ ही कहा गया है कि सरकार को समकालीन सामाजिक संरचना में लोगों की असुरक्षाओं का समाधान करना चाहिए।

बयान में सवाल उठाया गया है कि क्या पितृसत्ता को दर्शाने वाली फिल्में समाज में पुरुष वर्चस्व को बढ़ावा दे सकती हैं। इसमें पूछा गया है, क्या फिल्में यौन हिंसा और दुष्कर्म जैसे अपराधों को बढ़ावा देती हैं? क्या सिनेमा राजनीतिक दलों में व्याप्त वैचारिक पतन और सरकारों पर हावी भ्रष्टाचार का कारण है।

शाह 7 मार्च को तमिलनाडु से सीआईएसएफ तटीय साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सात मार्च को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 6553 किलोमीटर की यात्रा तय करने वाली साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाएंगे।

सीआईएसएफ के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित यह साइकिल रैली देश के पश्चिमी और पूर्वी समुद्री तटों से

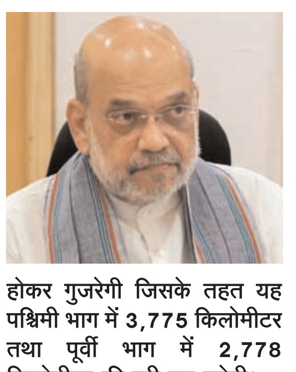

होकर गुजरेगी जिसके तहत यह पश्चिमी भाग में 3,775 किलोमीटर तथा पूर्वी भाग में 2,778 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

इस रैली में अर्धसैनिक बल के कुल 125 साइकिल चालक भाग लेंगे, जिनमें 14 महिलाएं भी शामिल हैं। यह साइकिल रैली सात मार्च को एक साथ गुजरात और पश्चिम बंगाल से शुरू होगी और करीब 25 दिनों बाद 31 मार्च को कन्याकुमारी में इसका समापन होगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक पद्माकर रानीपसे ने संवाददाताओं को बताया कि शाह सात मार्च को तमिलनाडु के रानीपेट जिले के थक्कोलम में सीआईएसएफ दिवस परेड के मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शिरकत करेंगे। इस दौरान वह साइकिल रैली को वीडियो लिंक के माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे।

सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अजय दहिया ने कहा, सीआईएसएफ तटीय साइक्लोथॉन 2025 का आयोजन तटीय सुरक्षा को बढ़ाने और स्थानीय लोगों के साथ जुड़ने के विचार से किया गया है। तटीय सुरक्षा हमारे देश के लिए सर्वोपरि है और सीआईएसएफ 12 प्रमुख बंदरगाहों एवं एक छोटे बंदरगाह पर यह कार्य कर रहा है। डीआईजी ने बताया कि साइकिल रैली का विषय 'सुरक्षित तट, समृद्ध भारत' है।

पत्रकार बनकर जबरन वसूली करने वाले गिरफ्तार

कन्याकुमारी। तमिलनाडु के कन्याकुमारी में आठ लोगों ने पत्रकार होने का झूठा दावा करके जिले के पुथुकदाई में एक दुकान मालिक से जबरन वसूली करने की कोशिश की जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी । पुलिस ने बताया कि आठ लोगों ने एक तमिल पत्रिका के पत्रकार होने का दावा करते हुए साहूकार की दुकान एवं वित्त फर्म के मालिक जस्टिन राज से संपर्क किया और आरोप लगाया कि उसने लोगों को बहुत ज्यादा ब्याज पर पैसे उधार दिए हैं।

पुलिस ने बताया कि इसके अलावा, जबरन वसूली करने वालों ने राज को धमकाया। अरोपियों ने राज की फर्म के संबंध में सूदखोरी से संबंधित समाचार छापने की धमकी दी और इससे बचने के लिये उससे एक लाख रुपये की मांग की। पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि जब जस्टिन राज ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो इन लोगों ने उसे धमकाया और उसकी जेब से 5,000 रुपये निकाल लिए। बयान में कहा गया है कि राज की शिकायत के बाद सभी आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनकी पहचान एंटनी (कुलसेकरम), सुनील (कोल्लानगोडे), लाल (करुवविलाई), सेल्वाराजा (आत्रंकरई), सुरेश गोपी (कन्याकुमारी), बेल्विन जोस (तिरुवत्तार), मणिकंडन (कीलपेरुविलाई) और सगाया बोस्को (चिन्ना मुट्टम) के रूप में की गई है। कन्याकुमारी जिले के पुलिस अधीक्षक आर स्टालिन ने इस मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

केरल : कार दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, एक घायल

कासरगोड (केरल)। उत्तरी केरल के कासरगोड जिले में जांच चौकी के पास एक कार के 'डिवाइडर' से टकराकर पलट जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सोमवार रात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर मंजेश्वर के पास वामनजूर में हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों की पहचान किशन कुमार, जनार्दन एवं अरुण के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के उप्पिनंगडी निवासी रतन गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए मंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री आवास के नवीनीकरण को लेकर भाजपा ने कर्नाटक सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेस से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या कर्नाटक में उसकी सरकार ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया और वित्तीय मंजूरी ली है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मीडिया की खबरों में कहा गया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के आवास का 'पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण' वित्त समिति की मंजूरी के बिना किया जा रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उसने वित्तीय मंजूरी ली और आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा

किया। अगर उसने उचित प्रक्रिया का पालन किया है तो उसे सबूत पेश करना चाहिए।

उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास का जिक्र करते हुए कहा, अगर नहीं तो सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस दिल्ली में अपनी पुरानी सहयोगी की तरह ही नियमों एवं कानूनों को दरकिनार कर कुख्यात शीश महल प्रयोग को दोहराने का प्रयास कर रही है। राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के 'पुनर्निर्माण' का पूरा अधिकार है लेकिन उसे पारदर्शी तरीके से पुष्टि करनी चाहिए कि क्या उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। उन्होंने कहा, अन्यथा, पहली नज़र में, यह भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण प्रतीत होता है।

त्रिवेदी ने कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा और इसे 'बेहद चिंताजनक और शर्मनाक स्थिति' बताया। उन्होंने कहा, कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने सरकार के भीतर भ्रष्टाचार के अभूतपूर्व स्तर को उजागर किया है। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार न केवल अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है, बल्कि दलित कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित धन को भी डायवर्ट किया है, जिससे भ्रष्टाचार और बढ़ गया है और एसोसिएशन ने इसे स्पष्ट रूप से उजागर किया है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने आरोप लगाया है कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पिछली भाजपा सरकार के दौरान मौजूद भ्रष्टाचार से कहीं अधिक है।

कर्नाटक विधानसभा भाजपा की आपत्ति की वजह से कुछ समय के लिए बाधित

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में मंगलवार को उस समय संक्षिप्त व्यवधान उत्पन्न हुआ जब विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भेदभाव का आरोप लगाया। भाजपा ने दावा किया कि कार्यवाही को प्रसारित करने वाले कैमरें उसके सदस्यों को सदन में बोलते समय नहीं दिखा रहे हैं। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि प्रसारण के दौरान जब भी विपक्षी विधायक बोलते हैं, कैमरा विधानसभा अध्यक्ष पर केंद्रित रहता है जबकि इसके उलट जब सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक या मंत्री बोलते हैं तो उनपर कैमरा केंद्रित होता है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने जब कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग की तब उपनेता अरविंद बेलाड ने अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि अशोक को बोलते समय टेलीविजन स्क्रीन पर नहीं दिखाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या विपक्ष को कवर न करने के निर्देश हैं। बेलाड ने कहा, पूरा सदन दिखाया जाता है, सत्ता पक्ष और मंत्रियों को दिखाया जाता है, यहां तक कि आसन और अध्यक्ष को भी दिखाया जाता है। लेकिन जब विपक्ष के नेता बोल रहे होते हैं, तो उन्हें नहीं दिखाया जाता। वह एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोल रहे होते हैं और लोगों को पता होना चाहिए। बेलाड ने यह भी बताया कि यह मुद्दा सोमवार को कार्य मंत्रणा समिति

(बीएसी) की बैठक के दौरान उठाया गया था। सी.सी. पाटिल और सुनील कुमार सहित कई भाजपा विधायकों ने बेलाड का समर्थन किया। विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने उन्हें आश्वस्त करने का प्रयास किया तथा कहा कि यह एक तकनीकी समस्या हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों को इसे सुलझाने का निर्देश देने का वादा किया। अशोक ने दोहराया कि यह मुद्दा बीएसी की बैठक में उठाया गया था और यहां तक कि मीडिया के सदस्यों ने भी बताया था कि सदन में विपक्ष के विरोध को नहीं दिखाया जा रहा है। यतनाल, सुनील कुमार, सी.सी. पाटिल, बेलाड और अशोक सहित भाजपा विधायकों ने कार्यवाही शुरू होने से पहले इस मुद्दे को सुलझाने का दबाव बनाया। उन्होंने स्पीकर से कहा, अगर यह तकनीकी समस्या है, तो इसे तुरंत ठीक करवाएं...। इस पर मंत्री प्रियंक खरगे ने हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी वक्ताओं को सदन में नहीं दिखाने की प्रथा पहली बार भाजपा शासन के दौरान संसद में शुरू की गई थी और बाद में भाजपा के कार्यकाल के दौरान पूर्व अध्यक्ष कागेरी ने इसे विधानसभा में लागू किया।

शराब की अवैध बिक्री रोकने में विफल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें : यूटी खादर

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने मंगलवार को आबकारी मंत्री आर बी थिम्मापुर से कहा कि वह प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में क्षेत्राधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की अवैध बिक्री रोकने का निर्देश दें और यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। खादर ने प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में मंत्री से कहा, यह एक गंभीर मामला है। हर विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियां कहां हो रही हैं, इसके बारे में कुछ जानकारी प्राप्त हुई होगी। उनसे एक सूची लें और संबंधित अधिकारियों को इसे रोकने के लिए कहें। अगर वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें, चाहे वे कोई भी हों। इससे पहले कांग्रेस विधायक कौजलगी महंत शिवानंद के ग्रामीण इलाकों में शराब की अवैध बिक्री पर पूछे गए सवाल पर मंत्री थिम्मापुर द्वारा दिया गया जवाब विपक्षी दलों के विधायकों को संतोषजनक नहीं लगा। मंत्री ने जवाब दिया कि सरकार शराब की अवैध बिक्री को नियंत्रित करने के लिए प्रयास कर रही है, जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान बोलते हुए।

कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा से वंचित नहीं रहेगा : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित न रहे। गोदारा ने बताया, 26 जनवरी को खाद्य सुरक्षा पोर्टल खुलने के बाद नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया लगातार जारी है। अब तक 8,91,408 नए नाम जोड़े जा चुके हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने अधिक से अधिक लोगों को लाभ देने के लिए ईकेवाईसी करवाने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मार्च कर दी है। गोदारा प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल खाद्य सुरक्षा योजना में कुल 12.95 लाख नए नाम जोड़े गए थे और इस तरह मौजूदा सरकार खाद्य सुरक्षा में कुल 21.87 लाख नाम जोड़ चुकी है।

गोदारा ने कहा, उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार खाद्य सुरक्षा का लाभ ले रहे लोगों के लिए ईकेवाईसी करवाना अनिवार्य है। अंतिम तिथि तक ईकेवाईसी नहीं कराने वाले लोग अपने आप योजना से बाहर हो जाएंगे उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने लाभार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ईकेवाईसी की अंतिम तिथि लगातार बढ़ाई है। पहले अंतिम तिथि को 15 अगस्त 2024 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2024 किया गया और अब इसे और आगे बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है। गोदारा ने बताया कि राज्य की सीमा 4.46 करोड़ है और अब तक 4.39 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा जा चुका है, जिनमें से 3.86 करोड़ लाभार्थियों ने ईकेवाईसी करवा ली है। उन्होंने बताया कि 10 साल तक के बच्चों और 70 साल से अधिक के बुजुर्गों को ईकेवाईसी से छूट दी गई है।

इससे पहले, विधायक अनिता भदेल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में मंत्री ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में वंचित पात्र परिवारों के नाम जोड़ने के लिए 26 जनवरी 2025 से पोर्टल शुरू किया जा चुका है। उन्होंने इस संबंध में जारी पत्र की प्रति सदन के पटल पर रखी। गोदारा ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में खाद्य सुरक्षा योजना में 6,16,054 आवेदन स्वीकृत कर 23,26,811 नाम जोड़े गए हैं। उन्होंने जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

राजस्थान को अपराध मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाते हुए अपराध मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री ने कहा, अपराध के खिलाफ राजस्थान पुलिस कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाकर सख्त कार्रवाई कर रही है। जनता के सम्मान, जीवन और संपत्ति की सुरक्षा करना हमारी सरकार का प्रथम कर्तव्य है। गृह एवं कारागार मंत्री बेढ़म सोमवार को विधानसभा में गृह विभाग की (मांग संख्या-18) एवं कारागार विभाग की (मांग संख्या-19) अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरकार का ध्एय 'कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित 'प्रजा के सुख में शासक का सुख निहित है, प्रजा के हित में उसे अपना हित दिखना चाहिए' के अनुरूप है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूर्ण संवेदनशीलता के साथ इस दिशा में अहम निर्णय ले रहे हैं।

चर्चा के बाद सदन ने गृह विभाग की 11657.07 करोड़ रुपए और कारागार विभाग की 360.47 करोड़ रुपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी। बेढ़म ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद अपराधियों में भय बढ़ा है।

उन्होंने कहा, राज्य में 2023 में जहां 2,31,240 प्रकरण दर्ज हुए थे। इसके बाद वर्ष 2024 में 2,13,351 प्रकरण ही दर्ज हुए। ऐसे में 17,889 प्रकरणों की कमी आई है। यह 7.74 प्रतिशत की गिरावट है। ए आंकड़े हमारी सरकार में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई की स्थिति को दर्शाते हैं।

औद्योगिक लीज भूमि के दुरूपयोग के मामले की करेगी जांच : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को विधानसभा में मैसर्स अराफात पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा औद्योगिक लीज भूमि के दुरूपयोग से उत्पन्न स्थिति के संबंध में कहा कि राज्य सरकार इसके खिलाफ जांच करेगी तथा सुनिश्चित करेगी कि यह प्रकरण राज्य सरकार की शर्तों के अनुरूप है या नहीं।

कर्नल राठौड़ शून्यकाल के दौरान विधायक हरिमोहन शर्मा के द्वारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए प्रश्न का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस औद्योगिक लीज भूमि के दुरूपयोग के संबंध में वर्ष 2014 में बनी कमेटी के आधार पर राज्य सरकार जनहित को ध्यान में रख कर निर्णय लेगी। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही वहां के आमजन एवं मजदूरों की परेशानियां दूर हो सकेगी।

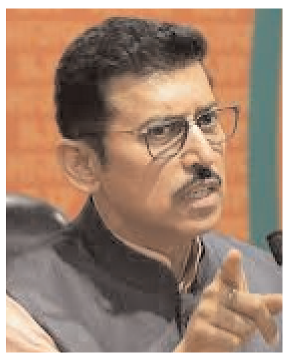

जिला मुख्यालय डीडवाना में मिनी सचिवालय भवन निर्माण के लिए विकल्पों का परीक्षण कर लिया जाएगा निर्णय : पटेल

जयपुर। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि जिला मुख्यालय डीडवाना में मिनी सचिवालय अथवा कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण के लिए विभागीय अधिकारियों द्वारा उपलब्ध भूमि विकल्पों का परीक्षण कर जनहित में निर्णय लिया जाएगा। पटेल प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्री की तरफ से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गत सरकार द्वारा इस निर्माण के लिए भूमि का चिह्नीकरण कर राशि स्वीकृत कर दी गई थी एवं वर्तमान राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवंटन किए जाने के उपरांत मिनी सचिवालय अथवा कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण की कार्ययोजना प्रारंभ की जाएगी।

इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि नवगठित जिलों के संबंध में अंतिम निर्णय हो जाने के फलस्वरूप राज्य सरकार डीडवाना-कुचामन जिले की आम जनता को राहत देने के लिए जिला मुख्यालय डीडवाना में मिनी सचिवालय अथवा कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण कराए जाने का विचार रखती है। इसके लिए जिला कलक्टर डीडवाना-कुचामन द्वारा उपयुक्त भूमि के प्रस्ताव राजस्व विभाग को भिजवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि डीडवाना जिले में जिला स्तरीय राजकीय कार्यालय के लिए भूमि चिह्नित कर कर ली गयी है। जिसका आवंटन किया जाना प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि नवगठित जिला मुख्यालय डीडवाना में 26 जिला स्तरीय कार्यालय स्वीकृत नहीं होने के कारण संचालन किया जाना शेष है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

मुलाकात

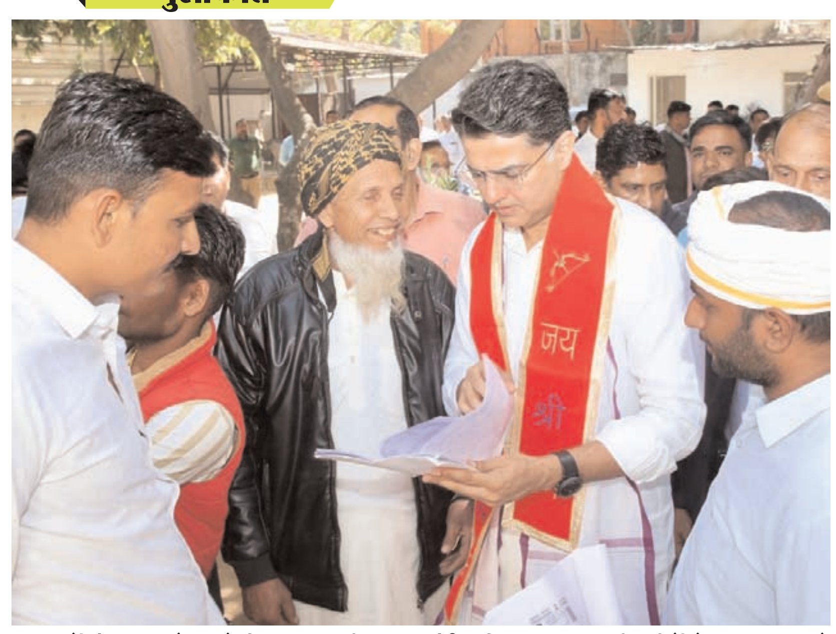

जयपुर में मंगलवार को अपने निवास पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए।

पर्यटकों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द ही लांच किया जाएगा मोबाइल एप : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार पर्यटकों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द ही एक मोबाइल एप लांच करेगी। जिसमें पर्यटकों को नजदीकी पुलिस स्टेशन, अस्पताल, पर्यटन स्थान, यातायात साधन एवं अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

दीयाकुमारी प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा एवं उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जंतर -मंतर, जलमहल, आमेर, हवामहल एवं अल्बर्ट हॉल पर पर्यटक सहायता बल बूथ स्थापित है। पर्यटक सहायता बल (टीएएफ) द्वारा समय- समय पर कार्यवाही कर पर्यटकों को उचित सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि टीएएफ द्वारा वर्ष 2022 में 236, 2023 में 311 एवं 2024 में 541 शिकायतों पर कार्यवाही की गई तथा गत वर्ष जयपुर में 170 लपकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा दिसम्बर 2024 में पर्यटक सहायता बल के कर्मचारियों की संख्या 139 से बढाकर 250 कर दी गई है।

उन्होंने प्रदेश के पर्यटन स्थलों का विकास एवं संरक्षण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकर द्वारा वर्ष 2024-25 में जयपुर के चारदीवारी शहर के विकास के लिए 100 करोड़ का बजट आवंटित किया गया। उन्होंने बताया कि चौड़ा रास्ता में स्थित जीर्ण शीर्ण भवन का जीर्णोद्धार करवाकर 2015 में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 5.5 करोड़ की लागत से बहुमंजिला भवन बनाया गया था। जिसके भूतल में पर्यटक सुविधा केंद्र बनाए जाने का निर्णय लिया गया था। जिसके तहत पर्यटक स्वागत एवं प्रतीक्षा कक्ष, एटीएम, फॉरेन करेंसी एक्सचेंज, साइबर कैफ़े, टूरिस्ट ब्यूरो ऑफिस एवं जन सुविधाओं का प्रावधान था। उन्होंने बताया कि इसके प्रयोग पर निरंतर विचार विमर्श चल रहा है एवं शीघ्र ही इस केंद्र को चालू करने का निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले विधायक बालमुकुंदाचार्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पर्यटन भवन स्थित पर्यटक स्वागत केन्द्र , जयपुर एवं हवामहल विधानसभा क्षेत्र में जंतर -मंतर एवं जलमहल की पाल पर स्थित पर्यटक सहायता बल बूथों के माध्यम से पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र हवामहल में पृथक से पर्यटक सहायता तथा सुविधा केन्द्र निर्माण संबंधी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबद्ध : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी की औद्योगिक इकाईयों की जाँच करवाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाईयों के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर विभाग द्वारा जाँच की जाती है तथा अनियमितता मिलने पर नोटिस देकर कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया जाता है। समयसीमा में निर्देशों की अनुपालना नहीं करने वाले उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में कुल एक हजार 113 औद्योगिक इकाईयां स्थापित है, इनमें से 21 औद्योगिक इकाईयां लाल श्रेणी, 689 औद्योगिक इकाईयां नारंगी श्रेणी और 403 औद्योगिक इकाईयां हरी श्रेणी में वर्गीकृत हैं। उन्होंने इन इकाईयों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी में वर्गीकृत औद्योगिक इकाईयों में निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों के आधार पर कारण बताओं नोटिस जारी करने पर उद्योगों द्वारा विभिन्न प्रावधानों व पर्यावरण मानको की अनुपालना सुनिश्चित करने के संबंध में सुधारात्मक कार्यवाही करवाई गई है। उन्होंने जारी नोटिसों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

शर्मा ने बताया कि सूरतगढ नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम 37 पीएनबी, तहसील सूरतगढ, जिला श्रीगंगानगर में इकाई मैसर्स रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा औद्योगिक इकाईयों के वर्गीकरण हेतु जारी आदेश 2 जून 2020 के अनुसार हरी श्रेणी में वर्गीकृत है। उक्त इकाई को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा 4 जून 2024 को स्थापना सम्मति जारी की गयी। उन्होंने इकाई को जारी स्थापना सम्मति की प्रति सदन के पटल पर रखी।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में राजीविका का अहम योगदान : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिवालय में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा राजीविका रंगोत्सव - 2025 का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन शासन सचिवालय में 4 मार्च से 7 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उद्यमशीलता की सफलता को प्रदर्शित किया जायेगा। मुख्य सचिव ने शर्बत स्टॉल, बगरू प्रिन्ट दुपट्टा, कशीदाकारी बैग, बाजरा कुकीज आदि स्टॉलो से खरीददारी कर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राजसमंद व जोधपुर जिलों में शर्बत व बाजरा आधारित उत्पादों की बिक्री की सराहना की।

राजीविका रंगोत्सव का उद्देश्य राज सखियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किये गये असाधारण कार्यो को प्रदर्शित करना है, जिन्होंने सफल उद्यमियों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस आयोजन में हस्त निर्मित एवं जैविक उत्पाद सीताफल, नीम और गेंदा जैसे जैविक तत्वों से निर्मित हर्बल गुलाल, हिमाल्यन मल्टी फ्लोरा, जामुनहनी, वाईल्ड फोरेस्ट सरसों हनी से निर्मित फ्लेवर्ड हनी, हस्त निर्मित साबुन, पर्सनल केयर उत्पाद, पारम्परिक स्नेक्स, चमड़े के उत्पाद, हस्त निर्मित वस्त्र और पारम्परिक परिधान, सस्टेनेबल व लकड़ी के हस्तशिल्प और आभूषण बॉक्स, ब्लू पोटरी, पेन्टिंग्स और पारम्परिक पेय पदार्थ शामिल है।

राजीविका रंगोत्सव केवल एक प्रदर्शनी ही नही, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक आंदोलन है। यह आयोजन ग्रामीण महिलाओं को बड़ा बाजार उपलब्ध कराने, उनके आर्थिक स्थिरता बढ़ाने और अधिक से अधिक महिलाओं को सफल उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेगा।

चार दिवसीय यह आयोजन रंगो से भरी सफलता की उम्मीद लेकर आया है, जहां राजस्थान की स्वयं सहायता समूह की महिलाऐं अपनी रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता से अपने भविष्य को नया आकार दे रही है।

बजट घोषणाओं से कृषि क्षेत्र में होंगे नवाचार, मजबूत होगा कृषक : भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में बजट 2025-26 कृषि क्षेत्र में उत्पादन एवं आय में वृद्धि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में उपयोगी सिद्ध होगा। बजट घोषणाओं द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में कृषि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों द्वारा ही अपनी आजीविका चलाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों को राहत देने व उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई है। कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। 900 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 25 हजार फार्म पौण्ड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पम्प संयंत्र तथा 20 हजार किमी सिंचाई पाइपलाइन द्वारा 4 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र से अधिक में माइक्रोइरिगेशन तथा 3 लाख 50 हजार हैक्टेयर में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने के लिए 1 हजार 250 करोड़ रूपये का अनुदान दिया जाएगा। 324 करोड़ रूपये का व्यय कर 75 हजार किसानों को 30 हजार किमी लम्बाई में तारबन्दी पर अनुदान दिया जायेगा। राजस्थान कृषि विकास योजना अन्तर्गत 1 हजार 350 करोड़ रूपये से कृषि में नई तकनीकों कृषि आदान, जैविक खेती एवं क्षमता विकास के कार्य करवाए जायेंगे।

कृषकों को 180 करोड़ रूपये की लागत से 35 लाख बीज मिनिकिट नि:शुल्क वितरित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत 5 लाख 44 हजार कृषकों को उच्च गुणवता युक्त बीज उत्पादन हेतु 63 करोड़ रूपये के 1 लाख 13 हजार क्विंटल बीज दिये जायेंगे।

पूजा

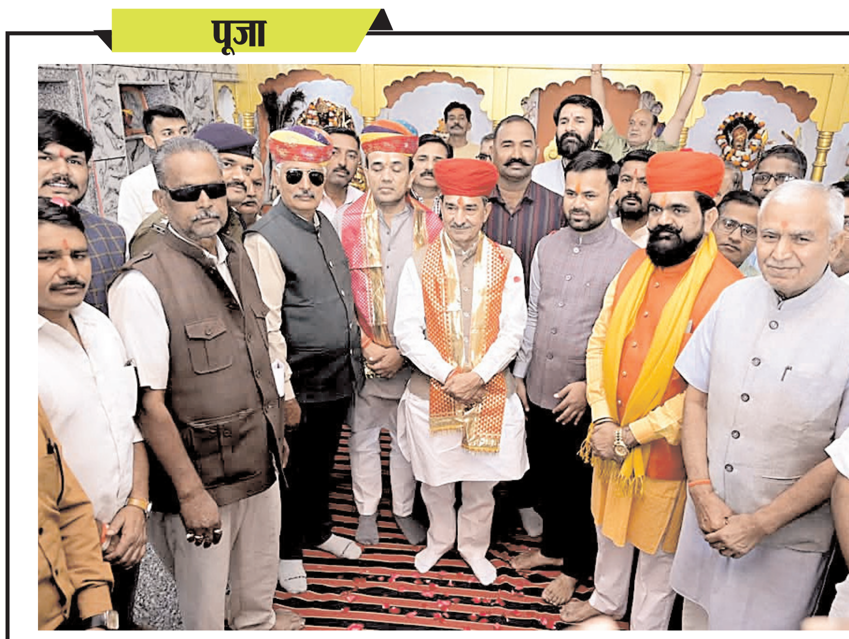

पाली में मंगलवार को बसंत स्थित श्री कलाजी राठौड़ धाम व सिक्किम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के साथ श्री चार भुजा मंदिर में दर्शन कर, देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

संभल मामले को लेकर योगी बोले- जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान संभल का मामला उठाया और कहा कि हमने तो यही कहा है कि जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए और हम उससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसकी नीयत मस्जिद में मंदिर खोजने की है। इसका जवाब देते हुए योगी ने कहा, एक पक्ष (महाकुंभ) वह है, जो आपके सामने उद्धरण के रूप में है, प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। लेकिन दूसरा पक्ष वह भी है, जब 26 फरवरी को संभल में 56 वर्षों के बाद शिव मंदिर में जलाभिषेक का कार्यक्रम हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा, अकेले संभल में एक शरारत के तहत 68 तीर्थों और 19 कूपों की निशानी मिटाने की कोशिश की गई। उन्हें खोजना हमारा काम था। हमने 54 तीर्थ खोजे और 19 कूपों को भी ढूंढ निकाला। उन्होंने कहा, 68 तीर्थों में से 54 को ढूंढना हमारी विरासत का हिस्सा है। हमने तो यही कहा है–जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए, हम उससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। 19 कूपों को मुक्त कराया गया है। सच कड़वा होता है, उसे स्वीकार करने का सामर्थ्य होना चाहिए। संभल में पिछले साल 19 नवंबर से ही तनाव का माहौल है, जब अदालत के निर्देश पर एक मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी। इस सर्वे का आदेश इस दावे के बाद दिया गया था कि मस्जिद स्थल पर पहले हरिहर मंदिर था। शहर में 24 नवंबर को दूसरे दौर के सर्वेक्षण के दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों की सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प हो गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों अन्य घायल हो गए थे। इसके बाद संभल में खुदाई में 54 तीर्थ और कूप मिले।

राजग सरकार ने बिहार में 'हिंदू-मुस्लिम झगडों' को खत्म किया: नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी और सांप्रदायिक दंगों में नामजद लोगों को न्याय के कटघरे में लाने जैसे कदम उठाकर राज्य में होने वाले ''हिंदू–मुस्लिम झगड़ों'' को खत्म किया है। कुमार बिहार विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। जनता दल (यू) के अध्यक्ष ने अपनी चिरपरिचित अंदाज में कहा, ''2005 में सत्ता में आने से पहले कानून–व्यवस्था की स्थिति इतनी दयनीय थी कि लोग शाम ढलने के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। खराब सड़कों के कारण आवागमन भी मुश्किल हो गया था।''

कुमार ने अपनी टिप्पणी पर हंगामा करने वाले विपक्षी सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा, ''आप लोग बच्चे हैं। क्या आपको पता है कि उस समय क्या स्थिति थी?'' बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, ''वह भी बच्चे हैं।'' उन्होंने प्रेस दीर्घा की ओर अंगुली से इशारा करते कहा, ''पत्रकारों से पूछिए कि उस समय हालात कितनी खराब थी।'' मुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से राजद–कांग्रेस गठबंधन का भी जिक्र करते हुए कहा, ''पहले, राज्य में हमेशा हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच झगड़ा होता था। जो लोग मुस्लिम वोट लेते थे, वे इसे कभी खत्म नहीं कर सके। जब मैंने कार्यभार संभाला, तो कब्रिस्तान के लिए जमीन पर विवाद एक प्रमुख कारक के रूप में पहचाना गया। इसलिए, हजारों कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गई, जिसका पूरा खर्च सरकार ने उठाया।''

बिहार विधानसभा में तेजस्वी और राजग नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में मंगलवार को विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्यों के बीच नीतीश कुमार सरकार के कामकाज को लेकर तीखी नोकझोंक हुई।

बिहार विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग ले रहे यादव ने राज्य सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, ''सरकार खटारा, व्यवस्था खटारा, मुख्यमंत्री थका हारा, आदमी घूम रहा मारा मारा।'' उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यू) के नेताओं पर निशाना साधा और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी को उनके उन पुरानी राजनीतिक जड़ों की याद दिलाई जिसे अब 'इंडिया' गठबंधन कहा जाता है। जद(यू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मैं कांग्रेस में रहा हूं। लेकिन आप अपने पिता (राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद) द्वारा पिछली सरकारों (1990 से पहले) द्वारा की गई गलतियों को सुधारने के प्रयासों के बारे में बहुत कुछ कहा है। आज आपके निशाने पर शत प्रतिशत कांग्रेसी रही है।''

उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में एक भी नया कर नहीं लगाया गया: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025–26 के सामान्य बजट पर चर्चा में सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य में पिछले आठ वर्षों में एक भी नया कर नहीं लगाया गया।

योगी ने कहा कि 2025–26 के बजट का आकार 8,08,736 करोड़ रुपए से अधिक का है और यह देश के किसी राज्य की तुलना में सबसे बड़ा बजट है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश पिछले पांच वर्ष से राजस्व अधिशेष स्थिति में है। कर अपवंचन को रोका गया है। 'रेवेन्यू लीकेज' को समाप्त किया गया है। डिजिटल प्रणाली अपनाई गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले यह राशि विकास और कल्याण में इस्तेमाल नहीं हो पाती थी। आज पाई–पाई प्रदेश हित में उपयोग हो रही है और देश के अंदर सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचा देने में सफलता मिल रही है। बीते आठ वर्ष में एक भी नया कर नहीं लगाया। प्रदेश में डीजल–पेट्रोल की दरें देश में सबसे कम हैं, बावजूद इसके उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष राज्य के रूप में समृद्धि के नये सोपान चढ़ता जा रहा है। इस सफलता के पीछे रामराज्य की अवधारणा ही है। उन्होंने बरसत हरसत सब लखे, करसत लखे न कोय, तुलसी प्रजा सुभाग से, भूप भानु सो होय' चौपाई सुनाई और कहा कि श्री राम जी भरत से कहते हैं कि हमें प्रजा से कर ऐसे लेना चाहिए, जैसे सूर्य लेता है। योगी ने कहा कि यह बजट 2016–17 (3.46 लाख करोड़) की तुलना में लगभग ढाई गुना बड़ा है और 2024–25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बजट का बढ़ा हुआ आकार सिर्फ व्यय नहीं, बल्कि अंतिम पायदान तक विकास की पहुंच, अवसंरचनात्मक विस्तार, आम जन के जीवन स्तर को ऊपर उठाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने का परिचायक होता है। योगी ने कहा कि बजट के आकार में बढ़ोतरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है और यह लोक कल्याण के साथ अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आजादी के बाद कांग्रेस ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई नहीं बल्कि 'थोपी' गई सरकार बनाईः खट्टर

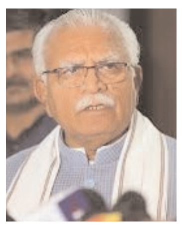

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने देश में एक ऐसी सरकार बनाई, जो लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई नहीं थी बल्कि 'थोपी' गई थी। खट्टर ने दावा किया कि जनसंघ का गठन कांग्रेस को सत्ता के मद में 'निरंकुश' हो जाने से रोकने के लिए किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल ने लोकतंत्र पर 'प्रश्नचिह्न' लगा दिया था।

खट्टर ने आरोप लगाया, ''स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार नहीं बनाई। एक तरीके से यह थोपी हुई सरकार थी। 1951 में, पहले आम चुनाव से पहले, हमारे पूर्वजों ने भारतीय जनसंघ का गठन किया जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि शासन निरंकुश न हो जाए। केंद्रीय मंत्री भाजपा की बिहार इकाई द्वारा आयोजित राज्य पार्टी परिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे, जिसमें दिलीप जायसवाल को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। खट्टर ने कहा कि वह इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार के खिलाफ विद्रोह करने वाले लोकनायक जयप्रकाश नारायण की रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली गए थे। उन्होंने कहा, ''मैं तब 21 साल का था। इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र के सामने प्रश्नचिन्ह लगा दिया था। मॉरिस नगर इलाके में रैली में जेपी ने जो कुछ कहा, शायद मैं उसे ज्यादा समझ न पाया हो। लेकिन उस भाषण ने मुझे राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।''

सनातन धर्म के 'उन्मूलन' के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं विपक्षी दलः भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। मुगल बादशाह औरंगजेब के बारे में समाजवादी पार्टी (सपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि वे सनातन धर्म का 'उन्मूलन' करने के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। भाजपा की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब महाराष्ट्र के सपा नेता ने अपने एक हालिया बयान में औरंगजेब की कथित तौर पर तारीफ की थी।

आजमी ने कहा था कि औरंगजेब के शासनकाल में भारत की सीमा अफगानिस्तान और बर्मा (म्यांमा) तक पहुंच गई थी। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया, ''हमारा (सकल घरेलू उत्पाद)जीडीपी (विश्व जीडीपी का) 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के शासनकाल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था।'' आजमी ने औरंगजेब और संभाजी महाराज के बीच मुकाबले के बारे में पूछे जाने पर इसे राजनीतिक लड़ाई करार दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आजमी की टिप्पणी को 'संपूर्ण भारतीय समाज का अपमान' करार दिया और आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस) के घटक दल अल्पसंख्यक वोटों की खातिर खुद को हिंदू विरोधी साबित करने के लिए एक–दूसरे के साथ गलाकाट प्रतिस्पर्धा में लगे हुए हैं।

चिराग पासवान ने 'आहार' वैश्विक खाद्य मेले का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा कि भारत का लक्ष्य वैश्विक खाद्य केंद्र बनना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए घरेलू कारोबारियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादों के उत्पादन को प्राथमिकता देने की जरूरत है।

उन्होंने यहां 'आहार' अंतरराष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले के 39वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। आठ मार्च तक चलने वाला यह पांच दिवसीय कार्यक्रम भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, जिसमें उत्पादों और सेवाओं के साथ–साथ नवीन प्रौद्योगिकियों की विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया है।

पासवान ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, ''गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादों के निर्माण पर ध्यान दें। हमारे उत्पाद वैश्विक मानकों के अनुरूप होने चाहिए। हमें गुणवत्ता से समझौता नहीं करना चाहिए। किसी भी देश को गुणवत्ता के संबंध में भारत पर उंगली नहीं उठानी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना और छोटे एवं बड़े उद्यमों को बढ़ावा देने जैसे कई मोर्चों पर काम कर रही है।

मंत्री ने घरेलू कारोबारियों से इस वर्ष के आहार मेले में भाग लेने वाले 22 देशों के अनुभव और नवाचार से सीखने का आह्वान किया।

मिजोरम सरकार ने पेश किया 15,198 करोड़ रुपए का बजट

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 15,198.76 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें किसानों एवं छोटे उद्यमियों के लिए संचालित 'बाना कैह' योजना का वित्तीय आवंटन 75 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने के लिए अप्रैल से एक योजना लेकर आएगी।

बजट में नया कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया है। वित्त मंत्रालय का भी प्रभार रखने वाले लालदुहोमा ने चालू वित्त वर्ष (2024–25) के लिए 3,512.33 करोड़ रुपए के अनुदान की अनुपूरक मांगें भी पेश कीं। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम 'बाना कैह' योजना के लिए बजट में 350 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं, जो चालू वित्त वर्ष में निर्धारित 200 करोड़ रुपए से 75 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल सितंबर में शुरू की गई बाना कैह योजना का उद्देश्य उद्यमियों और किसानों की आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए तैयार कार्यक्रमों के जरिये वित्तीय सहायता और समर्थन देना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की और भारत में एक आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल की सराहना की।

राजकुमारी एस्ट्रिड भारत में एक आर्थिक मिशन का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें शीर्ष मंत्री और कारोबारी दिग्गज शामिल हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मिलकर खुशी हुई। भारत में 300 सदस्यीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल की सराहना करता हूं। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि, जीव विज्ञान, नवोन्मेष, कौशल और शैक्षिक आदान–प्रदान में नई साझेदारियों के माध्यम से हमारे लोगों के लिए असीम अवसरों को खोलने के लिए तत्पर हैं।''

बेल्जियम भारतीय व्यवसायों को यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच प्रदान करता है : राजकुमारी एस्ट्रिड

नई दिल्ली/भाषा। बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड ने कहा है कि बेल्जियम भारत की बढ़ती रणनीतिक भूमिका को मानता है और एक संतुलित एवं समावेशी वैश्विक व्यवस्था के लिए उसकी आकांक्षाओं का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में गहन द्विपक्षीय भागीदारी का आह्वान किया।

एस्ट्रिड भारत में एक उच्च स्तरीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व कर रही हैं जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यूरोप के प्रवेश द्वार के रूप में बेल्जियम भारतीय व्यवसायों को यूरोपीय संघ के बाजार तक रणनीतिक पहुंच प्रदान करता है, वहीं भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था नवीकरणीय ऊर्जा, बंदरगाह साजो–सामान, उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और जीवन विज्ञान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बेल्जियम की कंपनियों के लिए बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है। राजकुमारी ने सोमवार रात एक कार्यक्रम में कहा कि भारत का आधुनिकीकरण आर्थिक विकास से कहीं अधिक है, क्योंकि यह अपनी पहचान को बनाए रखते हुए ''भविष्य को गले लगाने'' के बारे में है। उन्होंने कहा, ''बेल्जियम और यूरोप इस परिवर्तन का समर्थन करने, स्थिरता, प्रौद्योगिकी और नवाचार में विशेषज्ञता और सहयोग की पेशकश करने पर गर्व करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''बेल्जियम भारत की बढ़ती रणनीतिक भूमिका को मानता है और संतुलित तथा समावेशी वैश्विक व्यवस्था के लिए उसकी आकांक्षाओं का पूरा समर्थन करता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। प्रस्तावित भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए राजकुमारी ने कहा, ''व्यापार और सहयोग समझौता दीर्घकालिक समृद्धि लाएगा और बेल्जियम इस प्रक्रिया का पूरा समर्थन करता है।''

क्रिकेट में आकार नहीं, मानसिक शक्ति मायने रखती है : रोहित के समर्थन में गावस्कर ने कहा

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा दुबले–पतले लड़के मॉडलिंग के लिए होते हैं और क्रिकेट में शारीरिक आकार नहीं, बल्कि मानसिक ताकत मायने रखती है।

भारतीय कप्तान पर चैंपियंस ट्रॉफी के बीच में एक राजनेता द्वारा की गई अनावश्यक आलोचना पर टिप्पणी करते हुए गावस्कर ने याद दिलाया कि बल्लेबाज सरफराज खान को भी बॉडी शेमिंग (शरीर को लेकर आलोचना) का सामना करना पड़ा था लेकिन इससे उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा। गावस्कर ने कहा, '' मैंने हमेशा कहा कि अगर आपको सिर्फ दुबले–पतले लड़के चाहिए, तो मॉडलिंग प्रतियोगिता में जाना चाहिए और सभी मॉडलों को चुनना चाहिए। यह उससे संबंधित नहीं है।'' पूर्व महान बल्लेबाज ने कहा, ''यह इस बारे में है कि आप क्रिकेट कितनी अच्छी तरह खेल सकते हैं। हमने सरफराज खान के बारे में बात की, उन्हें लंबे समय तक बदनाम किया गया क्योंकि उनका वजन ज्यादा है। लेकिन वह टेस्ट मैच में भारत के लिए 150 रन बनाते हैं और इसके बाद दो या तीन बार पचास से अधिक रन बनाते हैं, तो इसमें क्या समस्या है?''

चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से अलग तरह के गेंदबाज दिखे हैं : सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि अबूझ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से एक अलग खिलाड़ी की तरह दिखे है क्योंकि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलते हैं।

चक्रवर्ती ने रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 रन देकर पांच विकेट लिये थे। भारत ने इस मैच को 44 रन से जीता था।

सूर्यकुमार ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, '' वह 2021 में जिस तरह से टीम से बाहर हुआ और फिर उसने जिस तरह से वह वापसी की है उसमें दो अलग–अलग वरुण चक्रवर्ती की झलक दिखती है।'' उन्होंने कहा, ''वह मानसिक तौर पर थोड़ा मजबूत हुआ है। उसके चेहरे पर मुस्कान रहती है और मैदान पर जो भी परिस्थिति हो वह उसे सहजता से लेता है। किसी क्रिकेटर के नजरिए से बहुत अच्छी बात है।''

चक्रवर्ती चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती दो मैचों में अंतिम 11 का हिस्सा नहीं थे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका चयन मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ।

सूर्यकुमार ने कहा, ''मैं उनके लिए वाकई बहुत खुश हूं। वह जो कुछ भी कर रहे हैं और जो कुछ भी उनके साथ हो रहा है वह उस हर चीज के हकदार है।''

इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा, '' वह 2021 से वास्तव में कड़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी के बाद से मैंने उनसे कई बार बात की है।''

सूर्यकुमार ने कहा कि मुंबई इंडियंस को आईपीएल में नेतृत्व संबंधी किसी भी दुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी टीम में सभी मौजूदा भारतीय कप्तान हैं।

उन्होंने कहा, '' जब हम वहां जाते है तो यह एक परिवार की तरह है, इसलिए हम इस बारे में नहीं सोचते कि हमारे पास तीन कप्तान हैं या हमारे पास चार कप्तान हैं। हम सोचते हैं कि हम एक टीम हैं।''

बीएफआई 'मौलिक' कर्तव्यों को पूरा करने में विफल : उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने मंगलवार को मुक्केबाजी के लिए तदर्थ समिति नियुक्त करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महासंघ पिछले एक साल में अपनी 'मौलिक जिम्मेदारियों' को पूरा करने में विफल रहा है और 'व्यवस्था को बहाल करने तथा उचित प्रशासन सुनिश्चित करने' के लिए उनका यह कदम जरूरी था।

उषा का यह बयान आईओए के उपाध्यक्ष गगन नारंग के 28 फरवरी के पत्र के जवाब में आया है। पूर्व ओलंपिक कांस्य विजेता निशानेबाज ने उन पर 'मनमाने' आदेश जारी करने और खिलाड़ियों के कल्याण को कम करने का आरोप लगाया था। नारंग आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भी हैं। आईओए के आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय के स्थगन के बावजूद उषा अपनी रुख पर का दृढ़ता से कायम है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा दायर याचिका पर अदालत ने आईओए से जवाब मांगते हुए नोटिस जारी किया है। उषा ने नारंग को भेजे जवाब में कहा, ''...आपके (नारंग) इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है कि इस निर्णय या मेरी ओर से किसी कथित मनमानी कार्रवाई के कारण खिलाड़ियों को नुकसान हो रहा है। तदर्थ समिति नियुक्त करने का निर्णय मनमाना नहीं था, बल्कि व्यवस्था बहाल करने, उचित प्रशासन सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों के विकास को प्राथमिकता देने के लिए एक आवश्यक कदम था।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता यह है कि बीएफआई पिछले वर्ष राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने सहित अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहा है।'' उन्होंने कहा, '' एशियाई खेल (2026) नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में नई प्रतिभाओं की पहचान करने, होनहार मुक्केबाजों का चयन करने और भारत की पदक संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण या अभ्यास कार्यक्रमों को लागू करने के लिए बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया है।'' उषा लंबे समय से कई मुद्दों पर कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ विवाद में रही हैं।

उन्होंने कार्यकारी परिषद के सदस्यों पर भारतीय खेलों की समग्र भलाई के बजाय 'व्यक्तिगत प्राथमिकताओं' को तरजीह देने का आरोप लगाया है।

सुविचार

इंसान का 'ज़मीर' और शतरंज का 'वज़ीर' एक जैसा होता है क्योंकि अगर दोनों मर गए, तो खेल खत्म।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'सुनहरे' सपने, 'स्याह' सच्चाई

अबू धाबी में शहजादी खान के मामले में जिसका डर था, वही हुआ। एक ऐसा देश, जो भाषा, संस्कृति, परंपराओं और कई तरह से हमसे बिल्कुल अलग है, वहां हत्या जैसे मामले में आरोपी बनाए जाने वाले शख्स पर क्या गुजरती है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ईरान जैसे देशों में कानून बहुत सख्त हैं। वहां हर साल कई लोगों को मृत्युदंड दिया जाता है। यूं तो इस दंड का प्रावधान कई देशों के कानून में है और बेहद खतरनाक अपराधियों, आतंकवादियों के लिए यह उचित ही है, लेकिन पूरा-पूरा इन्साफ तब माना जाएगा, जब आरोपी को अदालत में अपना बचाव करने के लिए पर्याप्त मौका तो मिले। शहजादी खान के मामले में मुख्यत: दो बातें सामने आई हैं- पहली, बच्चे की मौत टीका लगाए जाने से हुई थी; दूसरी, बच्चे की मौत में शहजादी की कोई भूमिका थी। सवाल यह भी है कि सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि वाली कोई महिला अबू धाबी जाकर ऐसा काम क्यों करेगी? संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब जैसे देशों में कामकाज के लिए जाने वाले व्यक्ति को भलीभांति पता होता है कि वहां मामूली अपराध के लिए भी सख्त सजाएं हैं। ऐसे में कोई शख्स अबू धाबी जाकर इतना भयानक अपराध करेगा! क्या उसे अपनी जान प्यारी नहीं थी? इन देशों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, श्रीलंका आदि से बहुत लोग नौकरी करने जाते हैं। प्राय: यह समझा जाता है कि जो उधर गया है, वह तो खूब नोट कमा रहा है, उसकी तो मौज ही मौज है! हालांकि हकीकत इससे ठीक उलट है। तेल और गैस जैसे प्राकृतिक संसाधनों की खोज के बाद दौलतमंद बने इन देशों में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

वहां किसी गंभीर आरोप में पुलिस पकड़ ले तो व्यक्ति खुद को असहाय पाता है। अगर विवाद प्रवासी और स्थानीय निवासी के बीच हो तो अदालतों का झुकाव 'अपने लोगों' की ओर ही होता है। वहां नौकरी कर चुके कई लोग बताते हैं कि उन्हें मोटी कमाई के नाम पर ऐसी जगह भेजा गया, जहां मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिलती थीं। एक कमरे में आधा से एक दर्जन लोगों के साथ रहते, सुबह चुपचाप काम पर जाते, रात को आते, खाना खाकर सो जाते। अगर नियोक्ता के किसी आदेश से असंतुष्ट हैं तो उस पर सवाल उठाना भूल ही जाइए। वहां नियोक्ताओं को इस बात का भरपूर अनुभव हो चुका है कि किसी 'मजदूर' को कैसे दबाकर रखा जाए! कुछ कंपनियां तो नियुक्ति के पहले ही दिन पासपोर्ट और मूल दस्तावेज अपने पास रख लेती हैं। ऐसी भी शिकायतें हैं कि किसी के एक या दो महीनों का वेतन कंपनी यह कहते हुए रख लेती है कि निर्धारित अवधि के बाद दे दिया जाएगा। वह मिलेगा या नहीं, यह 'बॉस' की कृपा पर निर्भर करता है। अब सोशल मीडिया के जमाने में ऐसी बातों का खुलासा थोड़ा जल्दी हो जाता है। कुछ साल पहले बिहार के एक शख्स का वीडियो सामने आया था, जिसमें उसने आपबीती बताई थी कि एजेंट ने कहा कि सऊदी में नौकरी का बढ़िया मौका है, कोई तकलीफ नहीं होगी। जब वह सऊदी आया तो पता चला कि ऊंट चराने होंगे। उसने तो सपने में कभी रेगिस्तान नहीं देखा था! इसी तरह एक शख्स ने संयुक्त अरब अमीरात में अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक दिन उसकी गाड़ी की रफ्तार सामान्य से कुछ ज्यादा थी। इसका उस पर बहुत भारी जुर्माना लगा, इतना भारी कि एक महीने का वेतन भी कम पड़ गया! ये देश प्रवासियों को नागरिकता देने के मामले में बहुत सख्त हैं। लोगों की पूरी जिंदगी वहां गुजर जाती है, लेकिन उन्हें नागरिकता नहीं दी जाती। स्थानीय नागरिक से शादी करने के मामले में कई तरह की पाबंदियां हैं। अगर दुर्भाग्य से किसी कानूनी मामले में फंस गए तो आवाज उठाने वाला कोई नहीं होता। इसलिए ऐसी जगह जाएं तो 'सुनहरे सपनों' के भरोसे न जाएं।

ट्वीटर टॉक

आज मुख्यमंत्री निवास पर माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी से शिष्टाचार भेंट की।राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण, वन विकास कार्यक्रमों एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए राज्य स्तरीय रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

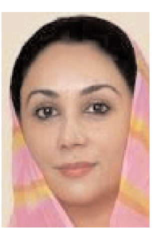

आज सचिवालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। प्रदेश में आधारभूत संरचना को और मजबूत बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए, ताकि विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ सकें।

-दीया कुमारी

हम सभी सनातनी बहनों-भाइयों और विशेषकर हमारे बड़े-बुजुर्गों को सूचना देते हुए हर्षित हूं कि बीकानेर के प्रसिद्ध श्री करणी माता मंदिर में मोदी जी के नेतृत्व की सरकार की 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत 22.57 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य होंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

स्वाधीनता का जज्बा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौर में सत्याग्रह आंदोलन चल रहा था। पंडित जवाहरलाल नेहरू की वृद्ध माताश्री स्वरूप रानी इलाहाबाद में एक जुलूस का नेतृत्व कर रही थीं। एकाएक पुलिस बल ने जुलूस की भीड़ पर लाठियों से आक्रमण कर दिया। अन्य सत्याग्रहियों के साथ स्वरूप रानी के सिर पर भी कुछ लाठियां लगीं। सिर से खून बहने लगा। वे बेसुध होकर गिर पड़ीं। पुलिस ने उन्हें उठाकर आनंद भवन पहुंचा दिया। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही स्वरूप रानी पंडित जवाहरलाल नेहरू से मिलने पहुंचीं। पंडितजी उन दिनों बरेली जेल में बंद थे। अपनी माताश्री स्वरूप रानी के सिर पर लगी चोट के कारण प्ट्टी बंधी देखी तो उन्हें दुख हुआ। माता स्वरूप रानी ने बेटे को दुखी देखा तो गर्व के साथ बोलीं, 'बेटा जवाहर! चिन्ता मत करो। यह चोट की पट्टी नहीं, यह तो सम्मान का पट्टा है।'

सामयिक

दूर तक जाएगा महाकुंभ से निकला सियासी संदेश

शाहिद नकवी

प्रयागराज महाकुंभ 2025 का आयोजन 45 दिनों तक चला और इसका समापन महाशिवरात्रि के दिन हुआ। महाकुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ 30 लाख लोगों ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाई।इस दौरान कई रिकॉर्ड टूटे,कई नए ट्रेंड बने, काफी कुछ अलग हुआ, जो अब तक के पहले किसी कुम्भ में नहीं हुआ। इस बार महाकुंभ ने दुनिया को आस्था के साथ आर्थिकी से भी समन्वय का उदाहरण पेश किया है। आंकड़े बताते हैं कि साढ़े सात हजार करोड़ खर्च करने पर उतर प्रदेश की अर्थव्यवस्था करीब साढ़े तीन लाख करोड़ तक पहुंच गई। वहीं महाकुम्भ के आयोजन पर सड़क से लेकर सदन तक जमकर सियासत हुई तो हादसे भी हुए। श्रद्धालुओं की संख्या, बसावट के क्षेत्रफल, सफाई कर्मियों की तादाद, शौचालयों के आंकड़े, सुरक्षा कर्मियों की संख्या सहित तमाम व्यवस्थाओं के दृष्टिकोण से इस महाकुंभ को दुनियाभर के आयोजनों में अग्रणी ही रखा जायेगा। इससे ये कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि महाकुंभ सिर्फ़ धार्मिक समागम नहीं है, यह भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक भी है। यह आयोजन प्राचीन परंपराओं और आधुनिक आकांक्षाओं के अस्तित्व को दर्शाता है, जो साधुओं, विद्वानों, भक्तों, पर्यटकों और व्यापारियों एवं व्यवस्था से जुड़े लोगों को एक साथ लाता है। एकता और नवीनीकरण का सार्वभौमिक संदेश दिया जो धार्मिक महत्व से परे है। महाकुंभ मेला एकता का प्रतीक है, जो सभी वर्गों के लोगों को आकर्षित करता है। यह आयोजन नवीनीकरण, आत्म-खोज और आध्यात्मिक विकास के लिए मानवता की साझा खोज को रेखांकित करता है। यक़ीनन महाकुंभ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां श्रद्धालुओं के हृदय में सजीव बनी रहेंगी।

प्रयागराज में संगम तीरे तम्बुओं की अस्थाई नगरी भले ही उजड़ गई हो, लेकिन मां गंगा अभी भी श्रद्धालुओं का आव्हान कर रही हैं तो हर वीकएंड पर यहां आस्था का समूह देखने को मिलता है। अलग अलग क्षेत्रों में तीन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले महाकुंभ 2025 से सियासी संदेश भी निकल रहा है। हालांकि आम लोकसभा चुनाव में अभी 4 साल का वक्त है। लेकिन जिस तरह देश के कोने कोने से यहां श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है, उससे ऐसा लगता है कि महाकुंभ असर समूचे देश की राजनीति पर पड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर उनके मंत्री मंडल के सदस्यों के अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, अधिकारियों और यहां तक कि कुछ राज्यों के विपक्षी दल के नेताओं ने भी बढ़ संगम स्नान किया। भले ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी इस बार महाकुंभ नहीं आये, लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्री, दिग्विजय सिंह और अखिलेश यादव जैसे दिग्गज नेताओं ने भी संगम में डुबकी लगाई। राहुल गांधी के खास कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी संगम में डुबकी लगाई और अपने को सनातनी बताया। ये कहना फिलहाल तो मुश्किल है कि महाकुंभ का सीधा राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, लेकिन भाजपा देश में हिंदुत्व की राजनीति का आईना है तो साफ है कि वह पृथ्वी पर विश्व की सबसे बड़ी आध्यात्मिक सभा कहे जाने

वाले इस विशाल धार्मिक उत्सव का पूरा राजनीतिक फायदा उठाएगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ के आयोजन को लेकर बहुत मेहनत की है। मुख्य और अमृत स्नान पर्व पर पूरी रात उन्होंने लखनऊ में अपने निवास से मानिटरिंग की। व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए उन्होंने लखनऊ-प्रयागराज को एक कर दिया। इसके पहले किसी और मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज का दौरा नहीं किया जितना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। यातायात से लेकर हर व्यवस्था की उन्होंने निगरानी की और उच्च अधिकारियों की फौज यहां उतार दी। महाकुंभ का औपचारिक समापन भी श्रीयोगी ने किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से ही महाकुंभ का संदेश देश के सुदूर इलाकों में भी पंहुचा जिससे लोगों ने अपने अपने तरीके से प्रयागराज का रुख किया। हैदराबाद के सुदूर से कोई आटो रिक्शा से आया, बिहार से कोई नाव चला कर आया तो कोई हजारों किलोमीटर का सफर साइकिल से तय कर आया। यानी हर समस्या और तकलीफ पर आस्था का जज्बा भारी रहा। महाकुंभ और राजनीति की बात करना कुछ अटपटा जरूर लगता है, लेकिन पिछले अनुभव से राजनीतिक हल्कों में चर्चाएं शुरु हो गई हैं कि महाकुंभ का असर 2025 में बिहार, 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव समेत 2029 के लोकसभा चुनाव तक बड़ा असर दिखाने वाला है? संगम तीरे कुम्भ से निकले संदेश कालांतर में देश की राजनीति में हलचल मचाते रहे हैं।इतिहास ये याद दिलाता है कि कुम्भ से निकला कोई भी संदेश देश की सियासत की चाल जरूर बदलता है। कुम्भ से निकले संदेश ने हमेशा भाजपा के लिए राह बनाई है। सन 2001 की घटना एक अपवाद है जब कुम्भ में सोनिया गांधी ने आस्था की डुबकी लगाई थी और बाद में कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनी जो दस साल तक चली।अगर बात साल 2013 के कुम्भ की करें तो पता चलता है कि तब के इलाहबाद कुंभ में 7 फरवरी को धर्म संसद में नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में नाम लेकर संतों ने समर्थन किया था और 2014 में वह भाजपा के उस समय के दिग्गज वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद प्रधानमंत्री बने।हांलांकि नरेंद्र मोदी तब कुंभ स्नान करने तो नहीं आए थे। लेकिन वह इसके छह साल बाद 2019 के अर्धकुंभ में बतौर प्रधानमंत्री के रूप में संगम स्नान करने आए। उल्लेखनीय है कि उस समय लोकसभा चुनाव का ऐलान होने में 15 दिन बाकी थे। यहां ये गौरतलब है कि करीब 42 साल बाद देश के किसी प्रधानमंत्री ने संगम में स्नान किया था। जानकारी के लिए बता दें कि नरेंद्र मोदी से पहले इंदिरा गांधी 1966 में पीएम बनने के अगले ही दिन कुंभ मे संगम पहुंची थीं। यहां ये नहीं भूलना चाहिए कि महाकुंभ 2025 पिछले हर कुम्भ से एकदम अलग था। श्रद्धालुओं की संख्या ने दुनिया भर के तमाम आयोजनों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। जाहिर है कि इसका प्रभाव भी पिछले आयोजनों से व्यापक होगा। अभी बिहार में फिर सन 2026 में पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने हैं। महाकुंभ के दौरान ही भाजपा ने दिल्ली की चुनौती पार कर ली। अब पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हैं।

पूरे कुम्भ के दौरान एकता का महाकुंभ का नारा गूंजता रहा है। वह ममता बनर्जी के महाकुंभ पर दिए गए नकारात्मक बयान को भुनाना चाहते हैं।आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को 50-56 प्रतिशत हिंदू वोट मिलते हैं। भाजपा की चिंता है कि ममता कम हिन्दू मिलने पर भी मुस्लिम वोटों के सहारे बंगाल की सत्ता पर काबिज है। पूरे देश में भाजपा को मुस्लिम वोट कम ही मिलते हैं। चुनावी आंकड़े बताते हैं कि बिहार में नीतीश के साथ होने के कारण एनडीए को 12 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले थे। जबकि 87 प्रतिशत के आसपास मुसलमान वोट इंडिया गठबंधन को हासिल हुए थे।बंगाल और बिहार में वोटों के इस गणित में बदलाव ही भाजपा की राह बनायेंगे। महाकुंभ में जिस तरह आस्था का सैलाब उमड़ा है, उसे भाजपा अपने पक्ष में माहौल मान रही है। महाकुंभ की व्यवस्थाओं से श्रृद्धालुओं का बड़ा वर्ग लगभग संतुष्ट दिखा। दरअसल महाकुम्भ ऐसा समागम था जहां लोगों को बस गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने की चाह दिख रही थी। महाकुंभ में घटी दुखद घटनाओं के बाद भी उमड़ी भीड़ ने यही साबित किया। ये भी तथ्य है कि इस बार दक्षिण भारत से भी बड़े पैमाने पर श्रद्धालु प्रयागराज आये थे। इस बात का सबूत है प्रयागराज- नागपुर मार्ग पर सैकड़ों किलोमीटर लम्बा वाहनों का काफिला जो पूरे दो महीने दिखा। जिसमें महाराष्ट्र के साथ केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु तक के वाहन शामिल थे।

रीवा मार्ग पर सोहागी टोल प्लाजा पर महज कुछ घंटों में 14 हजार वाहन प्रयागराज के लिए निकलने का भी एक आंकड़ा है। यानी पूरे 45 दिन अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं। कुम्भ के बाद उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की फायर ब्रिगेड गाड़ियां संगम से गंगा जल लेकर गंतव्य पर जा रही हैं। जाहिर है कि महाकुम्भ में जो आस्था की लहरें उठीं हैं वह खुद सियासी संदेश दे रही हैं। निस्संदेह भाजपा ने महाकुंभ के जरिए एक लकीर खींचने की कोशिश भी की है, जहां सवाल उठाने वाले एक तरफ और आस्था से डुबकी लगाने वाले दूसरी तरफ हैं। विपक्ष ने महाकुम्भ के दौरान और बाद में भी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा शुरू से ही अपने को आस्था की डुबकी लगाने वालों के साथ खड़ी मान रही है। पूर्व के इतिहास को देखते हुए इस लिए ये माना जाना चाहिए कि इस बार भी महाकुंभ से निकला संदेश देश की सियासत में लम्बी दूरी तक जरूर जायेगा। आने वाले चुनावों में इसका असर पड़ेगा। दो साल बाद उत्तर प्रदेश के चुनाव में तो इसका सकारात्मक असर पड़ना लगभग तय है।

नजरिया

क्या गिरते ग्राफ के कारण झुंझलाहट में हैं मायावती?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

बहुजन समाज पार्टी के राज्य कार्यालय में रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने बैठक में बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का राष्ट्रीय कोओर्डिनेटर बनाया गया है। इनके जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया गया। मायावती ने अपने बयान में कहा कि आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। आकाश आनंद को हटाने के पीछे इसकी सारी जिम्मेवारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की है। अशोक ने पार्टी के नुकसान पहुंचाने के साथ ही साथ आकाश के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है। आकाश के स्थान पर उनके छोटे भाई आनंद कुमार ही पार्टी का सभी कार्य करते रहेंगे। आनंद पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही साथ राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर भी बनाया गया है। उनका पूरा सहयोग करने के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोओर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। इन दोनों में से आनंद कुमार का प्रमुख कार्य दिल्ली में अधिक रहकर पार्टी का पूरा पेपर वर्क अन्य जरूरी कार्य देखेना होगा। साथ ही पूरे देश में अपना सम्पर्क बनाकर रखेंगे। वहीं रामजी गौतम पूरे देश और हर राज्यों में जाकर पार्टी की प्रगति रिपोर्ट लेंगे। पार्टी के जनाधार को भी बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिए गये निर्देशों का पालन कराएंगे। बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है।इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था।

उत्तरप्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि बहुजन समाज पार्टी का किला लगातार ढहता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी 10 सीटों से शून्य पर आ गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ, इसमें भी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी बसपा की हालत खराब ही रही।दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी कुछ खास नहीं कर पाई। पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे राजनीतिक विश्लेषक सबसे बड़ा कारण पार्टी से नेताओं की विदाई मान रहे हैं। उनका मानना है कि अब पार्टी के पास पहले जैसे कद्दावर नेता बचे नहीं हैं। यही वजह है कि पार्टी को इसका लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।साथ ही बसपा के खराब प्रदर्शन से पार्टी के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जो पहले कभी नहीं हुआ था वह पहली बार बहुजन समाज पार्टी ने साल 2007 में अकेले दम पर कर दिखाया था। बीएसपी ने 212 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश की सत्ता पर अधिकार जमाया।इससे पहले भी तीन बार बीएसपी सुप्रीमो मायावती विभिन्न पार्टियों के सहयोग से सरकार बनाती रहीं, लेकिन चौथी बार जब मायावती की सरकार बनी तो किसी भी दल की जरुरत बीएसपी को नहीं पड़ी। हालांकि 2012 आते-आते पार्टी का ग्राफ गिरने लगा।

चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा, पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। 2019 में बहुजन समाज पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और 10 सीट पाने में कामयाब हुई।एक समय पार्टी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी और इंद्रजीत सरोज का जलवा था। पर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हुआ। पार्टी ने अकेले दम पर चुनाव लड़ा। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट को छोड़ पार्टी कहीं भी नहीं जीत पाई। रसड़ा के बारे में माना जाता है कि यहां से विधायक उमाशंकर सिंह निर्दलीय भी लड़े तो भी जीतने में सक्षम हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से पार्टी ने अकेले लड़ने का फैसला किया। लेकिन पार्टी का खाता तक नहीं खुला। बहुजन समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही। बसपा सुप्रीमो मायावती का टेरर इस कदर था कि पार्टी के नेता और सरकारी अधिकारी उनसे घबराते रहे। पार्टी में उस समय ऐसे कद्दावर नेता थे जो दूसरी पार्टियों में नहीं थे। इनमें नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मायावती के बाद दूसरे नंबर का माना जाता था।आरके चौधरी का नाम बसपा के बड़े नेताओं नें शामिल था। पार्टी से बाहर होने के बाद सपा से सांसद हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, बाबू

सिंह कुशवाहा, इंद्रजीत सरोज, आरके चौधरी, लालजी वर्मा और अशोक सिद्धार्थ जैसे बड़े नेता पार्टी में थे। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं देश भर में पार्टी का दबदबा था। धीरे-धीरे पार्टी के नेताओं पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए बीएसपी सुप्रीमो ने एक्शन लेना शुरू किया और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया। ज्यादातर नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया और वर्तमान में विधायक, सांसद और राष्ट्रीय महासचिव तक बने हुए हैं, जबकि बहुजन समाज पार्टी की स्थिति यह हो गई है कि मायावती के बाद कोई ऐसा नामचीन चेहरा पार्टी में नहीं रह गया है जो जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हो। गौर करने वाली बात यह भी है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में गिनी चुनी जनसभाएं ही करती हैं, जिसके चलते जनता पर उसका प्रभाव भी नहीं पड़ रहा है। यही वजह है कि देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद भी पार्टी की एक भी सीट नहीं निकल पा रही है।बसपा सुप्रीमो मायावती अपने सख्त एक्शन के लिए हमेशा से जानी जाती हैं। बुधवार (12 फरवरी) को भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई कर नेताओं को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया था कि पार्टी में अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी, फिर चाहे कोई कितना भी करीबी क्यों न हो। मायावती ने पार्टी से भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर कर दिया था।

मायावती की कार्रवाई का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर में रैली के दौरान कुछ ऐसा भाषण दिया जो मायावती को नागवार गुजरा। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे पर ही कार्रवाई कर दी। पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद उनसे यह अधिकार वापस ले लिया। हालांकि जब सब मामला शांत हो गया तब फिर से भतीजे को वही पद वापस किया। राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन का कहना है कि बहुजन समाज पार्टी की बागडोर जब कांशीराम के हाथ में थी, तब जो नेता थे, वे धीरे-धीरे आज पार्टी से अलग हो गए। आरके चौधरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा ने पार्टी की स्थापना में योगदान दिया था।विभिन्न जातियों के पिछड़े, दलित इस तरह के तमाम नेता पार्टी से जुड़े और अलग हो गए। इसमें एक नाम बृजेश पाठक का भी आता है जो बहुजन समाज पार्टी से बाद में जुड़े। दो बार मायावती ने उन्हें राज्यसभा भेजा। बाद में वही पार्टी से अलग हो गए। उनके पार्टी से अलग होने का कारण दूसरा था।नसीमुद्दीन सिद्दीकी का भी कारण एक अलग तरह का ही था। बाद में स्वामी प्रसाद मौर्य चले गए। मायावती की पार्टी उत्तर प्रदेश में हाशिए पर जा रही है। विधानसभा में संख्या घटकर एक रह गई है। दूसरे राज्य में उनका उतना लाभ नहीं मिल रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में जब मायावती की सरकार बनी थी तो उन्होंने पहली जनसभा गोरखपुर में की थी। उस दौरान वहां के मंडलायुक्त ओमप्रकाश थे, वह मायावती के सजातीय थे, लेकिन सबसे पहले करवाई उन्होंने ओम प्रकाश पर ही की थी। उन्हें निलंबित कर दिया था। इससे समझा जा सकता है कि एक्शन लेने के मामले में मायावती जरा भी देरी नहीं करती हैं।

ऐसा भी कहा जा सकता है कि यही उनकी यूएसपी भी है। मायावती ने दो बड़ी घोषणाएं की हैं, एक उत्तराधिकारी को लेकर और दूसरा राजनीतिक परिवारों में वो किसी तरह की रिश्तेदारी नहीं करेंगी। आकाश आनंद का अशोक सिद्धार्थ के एक राजनीतिक परिवार में रिश्ता किया गया था। ऐसे में दोनों घोषणाओं को अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद से जोड़कर के देखा जा रहा है। आकाश आनंद लोकसभा चुनाव के दौरान जिस आक्रामकता के साथ प्रचार करते नजर आए थे, उससे ऐसा लगा था कि पार्टी में अब चेहरा आकाश आनंद ही बचे हैं। हालांकि एक युवा और आक्रामक नेता होने के बावजूद पार्टी को चुनाव में कोई फायदा नहीं हुआ। बसपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में यह तय किया गया कि पार्टी मजबूती से पहले अपने संगठन को ठीक करेगी और वोट बैंक तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव कहीं न कहीं बसपा के राजनीतिक भविष्य का तय करने वाला चुनाव होगा। यदि पिछले चुनावों जैसी हालत ही इस बार भी होती है तो बसपा बचेगी या उस पर संकट आ जाएगा, यह बड़ा सवाल है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नशाखोरी के गुलाम न बनें, रचनात्मक आदतें अपनाएं : केएस लता कुमारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु शहरी जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस लता कुमारी ने युवाओं से सामाजिक बुराइयों और व्यसनों के आगे झुकने के बजाय रचनात्मक आदतें अपनाने का आह्वान किया। वे बेंगलूरु सिटी विश्वविद्यालय के केन्द्रीय महाविद्यालय परिसर में स्थित ज्ञानज्योति हॉल में 'शराब और नशीली दवाइयों की लत के दुष्प्रभाव' विषय पर एक संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने तन और मन पर नियंत्रण रखना चाहिए तथा शराब और नशीली दवाइयों से दूर रहना चाहिए, जो बड़ी सामाजिक बुराइयों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को नशे से दूर रहने का दृढ़ निश्चय करना चाहिए। शराब का सेवन कभी न करें, चाहे उसके पीछे मकसद मनोरंजन ही क्यों न हो। हर व्यक्ति को व्यसनों, जैसे धूम्रपान, शराब और नशीले पदार्थों को 'नहीं' कहने के शक्तिशाली हथियार का प्रयोग करना चाहिए। केएस लता कुमारी ने कहा कि युवाओं की जागरूकता से ही हम व्यसन मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। 'जागरूकता' और 'जानकारी' नशामुक्त समाज के निर्माण में सहायक होती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूनिवर्सिटी के कुलपति लिंगराज गांधी ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों को पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों के अलावा जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए छात्रों में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूक समाज के निर्माण के लिए 'परिवर्तन के दूत' बनने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के मनोचिकित्सक डॉ. चेतन कुमार केएस ने कहा कि नशे से छुटकारा पाने के लिए टेलीमेडिसिन हेल्पलाइन 14416 भी संचालित की जा रही है, जहां व्यक्तिगत परामर्श के लिए संपर्क किया जा सकता है। इस कार्यक्रम से पहले 300 से ज्यादा विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों पर नारे लिखीं तख्तियां लेकर ज्ञानज्योति हॉल के सामने से स्वतंत्रता पार्क, कालिदास मार्ग, रामचंद्र रोड होते हुए जागरूकता मार्च निकाला।

धारणी सांस्कृतिक समूह ने नुक्कड़ नाटक और जागरूकता गीत प्रस्तुत किए। तुमकूरु से कलाकार परमेश गुब्बी ने स्पीड पेंटिंग के जरिए युवाओं को विशेष संदेश दिया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नदीम अहमद, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की उपनिदेशक पल्लवी होन्नापुरा, सहायक निदेशक सौम्या एन, स्टाफ सदस्य पुप्पा आर मदिवाला, मुनिरत्नम्मा और कई विद्यार्थी मौजूद थे।

चीन ने रक्षा बजट में वृद्धि का संकेत देते हुए कहा, शांति-संप्रभुता की रक्षा केवल ताकत से संभव

बीजिंग/भाषा। चीन ने मंगलवार को अपना रक्षा बजट बढ़ाने का संकेत देते हुए कहा कि शांति और संप्रभुता की सिर्फ ''ताकत से रक्षा'' की जा सकती है।चीन बुधवार को अपने रक्षा व्यय का ब्योरा प्रस्तुत करेगा जो संसद (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) में प्रधानमंत्री ली कियांग द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले मुख्य बजट का एक हिस्सा है। पिछले साल चीन ने अपने रक्षा बजट को 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 232 अरब अमेरिकी डॉलर (1.67 ट्रिलियन युआन) कर दिया था जो भारत के बजट से तीन गुना से अधिक है। चीन अपने सभी सशस्त्र बलों का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण करने का काम जारी रखे हुए है। चीन के रक्षा बजट के आंकड़ों को उसके द्वारा विमानवाहक पोतों के निर्माण, उन्नत नौसैनिक जहाजों और आधुनिक स्टील्थ विमानों के तेजी से निर्माण सहित बड़े पैमाने पर सैन्य आधुनिकीकरण के मद्देनजर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।

खर्च का बचाव करते हुए नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के प्रवक्ता लू किनजियान ने यहां मीडिया से कहा कि ''शांति की रक्षा के लिए ताकत जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि मजबूत राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं के साथ, चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास से जुड़े हितों की बेहतर ढंग से रक्षा कर सकता है, एक प्रमुख देश के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकता है और विश्व शांति और स्थिरता की रक्षा कर सकता है।

दौरा

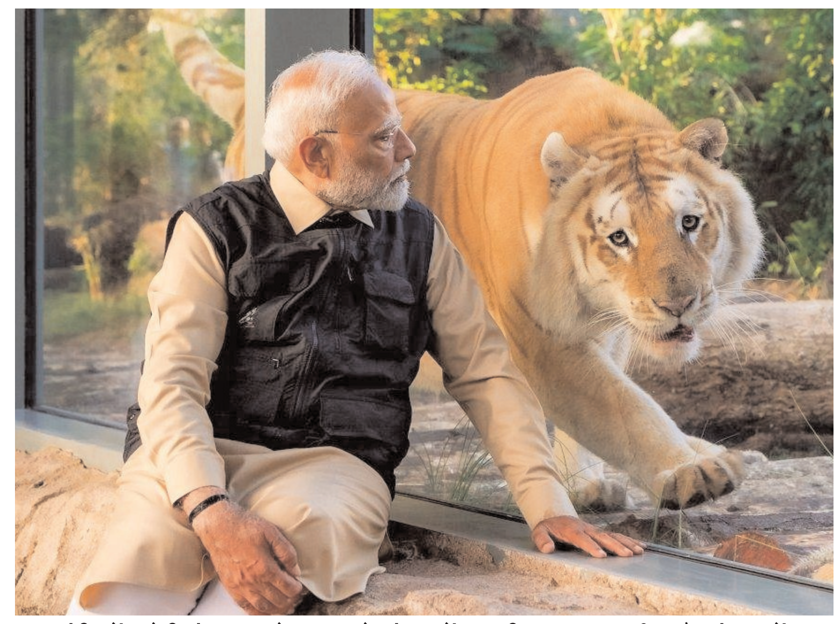

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात के वंतारा में वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र का उद्घाटन और दौरा करते हुए।

भव्य दिव्यता का एहसास कराता है प्रयागराज का 'ताले वाले महादेव' मंदिर

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में एक प्राचीन शिव मंदिर है, जहां देश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ती के लिए फूल, प्रसाद और ताले चढ़ाते हैं। मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर ताला खोलते हैं और उसे अपने साथ घर ले जाते हैं। महाकुंभ मेले के समापन से कुछ दिन पहले शहर के बीचोंबीच मुट्ठीगंज इलाके की एक संकरी गली में स्थित 'श्री नाथेश्वर महादेव मंदिर' का दौरा किया, जहां स्थापित देवता को 'ताले वाले महादेव' के नाम से जाना जाता है। मेले के दौरान देश-दुनिया से आए कई तीर्थयात्रियों और कुछ पुलिसकर्मियों ने भी मंदिर में ताला लगाकर मन्नत मांगी।

मंदिर कक्ष के अंदर-बाहर की दीवारों, रॉड और रेलिंग पर चमकदार तालों की कतारें दिखाई देती हैं, जिनमें से कई पर नाम उकेरे हुए हैं, जबकि कई को पहचान के लिए अलग-अलग रंगों से रंगा गया है। गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग इन तालों का दिव्य संरक्षक प्रतीत होता है। श्री नाथेश्वर महादेव मंदिर में लगाए गए मन्नत वाले तालों की कोई आधिकारिक गणना उपलब्ध नहीं है, लेकिन मंदिर के महंत शिवम मिश्र का कहना है कि वहां लगभग 50,000 ताले होंगे। मिश्र ने कहा, भारत का शायद ही ऐसा कोई राज्य होगा, जहां के किसी श्रद्धालु ने इस मंदिर में मन्नत वाला ताला न लगाया हो। रोजाना औसतन 100 से 150 ताले लटकाए जाते हैं।

मिश्र ने दावा किया कि थाईलैंड और ब्रिटेन के एक-एक श्रद्धालु ने भी श्री नाथेश्वर महादेव मंदिर में मन्नत वाला ताला लगाया है। उन्होंने कहा, मंदिर बहुत प्राचीन है और इसके गर्भगृह की पिछली दीवार पर एक पट्टिका पर बहुत पुराना शिलालेख भी अंकित है। हमें नहीं पता कि इस मंदिर का निर्माण कब हुआ था। इसलिए मैं उत्तर प्रदेश सरकार से अपील करता हूं कि वह इसके पत्थरों का पुरातात्विक अध्ययन कराए। श्री नाथेश्वर महादेव मंदिर पवित्र 'त्रिवेणी संगम' से लगभग छह किलोमीटर दूर है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी मिलती हैं। बिहार के मधेपुरा जिले के निवासी राकेश कुमार (25) ने संगम में पवित्र स्नान के एक दिन बाद 24 फरवरी को श्री नाथेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन किए। 'ताले वाले महादेव' से मांगी गई मन्नत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह नौकरी से संबंधित है। महंत मिश्र के मुताबिक, 2020 में यह मंदिर अच्छी स्थिति में नहीं था। फिर भगवान की कृपा और अनेक गुरुओं के मार्गदर्शन से इसके जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ।

उन्होंने बताया कि 26 फरवरी को महाकुंभ मेले के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिर में भव्य 'रुद्राभिषेक' और 'महा-आरती' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मिश्र के अनुसार, उन्होंने 2023 में मंदिर में मन्नत वाला पहला ताला लगाया था, जिसके बाद वहां ऐसे तालों की संख्या तेजी से बढ़ती गई और यह मंदिर 'ताले वाले महादेव मंदिर' के रूप में पहचाना जाने लगा।

बॉलीवुड में एआई क्रांति की शुरुआत, एआई फिल्म 'नायशा' का ट्रेलर लॉन्च

नई दिल्ली/एजेन्सी

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) अब कहानी कहने के नियमों को फिर से परिभाषित कर रहा है। इसी के तहत बॉलीवुड की पहली पूर्ण एआई-पॉवर्ड फिल्म नायशा का ट्रेलर लॉन्च किया गया। जिसमें एआई-जनरेटेड मुख्य किरदार नायशा बोस और ज़ैन कपूर को रोमांचक प्रेम कहानी में दिखाया गया है। नायशा डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में बड़ा बदलाव लाने वाली है। यह फिल्म नवीनतम एआई तकनीक को कहानी कहने के साथ जोड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवीय भावनाओं के बीच की दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रही है। इसका आधिकारिक ट्रेलर एआई-पॉवर्ड शानदार विजुअल्स, दिल को छू लेने वाली कहानी और चार्टबस्टर साउंडट्रैक की झलक देता है। यह फिल्म अमेजिंग इंडियन स्टोरीज नामक नए एआई कंटेंट स्टूडियो द्वारा निर्मित की गई है, जिसका उद्देश्य सिनेमाई अनुभवों को नए सिरे से परिभाषित करना है।

प्रतिष्ठित फिल्ममेकर विवेक अंचलिया फिल्म के निर्माता और निर्देशक हैं। तिकड़म (जियो हॉटस्टार) के निर्देशक और राजमा चावल (नेटफ्लिक्स ओरिजिनल) के सह-लेखक रह चुके अंचलिया का मानना है कि नायशा बॉलीवुड में एआई के व्यापक उपयोग की शुरुआत करेगा। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया नायशा के साथ हम भारतीय कहानी कहने और संगीत की ताकत को एआई की चमत्कारी तकनीक के साथ जोड़ रहे हैं, ताकि ऐसी कहानियां पेश की जा सकें, जो सभी वर्गों के दर्शकों को पसंद आएं। एआई हमें सीमाओं से आगे बढ़ने और असंभव को संभव बनाने की शक्ति देता है। नायशा का संगीत शानदार है, जिसे मशहूर संगीत निर्देशकों और गायकों ने तैयार किया है। डैनियल बी. जॉर्ज, जो अंधाधुन, जॉनी गद्दार, मैरी क्रिसमस, बेलबॉटम, बवाल जैसी फिल्मों के लिए ऑरिजिनल स्कोर दे चुके हैं, उन्होंने दो खूबसूरत गाने 'मनमानियां' और 'रूहानियां' को कंपोज़ किया है। मधुबंती बागची, जो स्त्री 2 के 'आज की रात' गीत के लिए जानी जाती हैं, ने 'रूहानियां' गाने को अपनी आवाज़ दी है। 'चीटर सैंया' और 'जाने कहां' गानों को क्रमशः प्रोतिज्योति घोष और उज्ज्वल कश्यप ने कंपोज़ किया है। ट्रेलर में बंगाली-मिज़ो लड़की नायशा और विद्रोही रैपर ज़ैन की प्रेम कहानी की झलक मिलती है। यह दोनों कोलकाता, पेरिस और स्विट्जरलैंड की खूबसूरत पृष्ठभूमि में अपनी यात्रा पूरी करते हैं।

अयोध्या सनातन धर्म, सिख धर्म का 'संगम स्थल' : पुरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किए और ऐतिहासिक गुरुद्वारे में मत्था टेका। उन्होंने पवित्र शहर को सनातन धर्म और सिख धर्म का संगम स्थल बताया।

पेट्रोलियम मंत्री ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या की अपनी यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसमें उन्होंने मंदिर शहर के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा कि अयोध्याधाम, सनातन धर्म और सिख धर्म की पवित्र संगम भूमि है और इसे प्रभु श्री राम और तीन सिख गुरु साहिबों का आशीर्वाद प्राप्त है। उनके मुताबिक, सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी महाराज 1510-11 में, नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी 1668 में और गुरु गोबिंद सिंह जी 1672 में अयोध्या आए थे। उन्होंने कहा, मुझे अयोध्याधाम के ब्रह्मकुंड में सरयू नदी के किनारे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने और आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पुरी ने कहा कि पवित्र धाम में स्थित गुरुद्वारे आस्था के संगम, मध्यकालीन समय से सिख और हिंदू धर्म के बीच मजबूत संबंधों तथा आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए दोनों धर्मों के एक-दूसरे के साथ खड़े रहने के परिचायक हैं।

पुरी ने कहा कि 1697 में जब औरंगजेब के नेतृत्व में आक्रमणकारी मुगल सेना ने अयोध्या में राम मंदिर पर हमला किया तो गुरु गोबिंद सिंह ने 400 निहंग सिखों की एक बटालियन को भीषण युद्ध में अघोरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए भेजा था। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव की 'उदासी' का इतना महत्व था और भव्य राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान यह दिखा भी जब एक न्यायाधीश ने कहा, 1510-11 ई. में भगवान राम की जन्मस्थली के दर्शन के लिए गुरु नानक देवजी की यात्रा हिंदुओं की आस्था और विश्वास को पुष्ट करती है।

एक अन्य पोस्ट में पुरी ने कहा, मुझे उस कुएं के पवित्र जल को महसूस करने का दिव्य सौभाग्य मिला, जहां से गुरु नानक देव जी के पवित्र स्नान के लिए पानी निकाला गया था। गुरु महाराज ने भी भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए इस पवित्र जल का छिड़काव किया था। उन्होंने कहा, केंद्र में गुंबददार कमरा है, जो आकार में अष्टकोणीय और संगमरमर के फर्श वाला है... उसे सिंहासन स्थान गुरु गोबिंद सिंह जी कहा जाता है।''

कंगना रनौत ने होसा मारिगुड़ी मंदिर के किए दर्शन

कापू/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत ब्रह्मकलशोत्सव समारोह में भाग लेने के लिए कर्नाटक स्थित श्री होसा मारिगुड़ी मंदिर पहुंची। खूबसूरत हरी-सुनहरी साड़ी में सजी-धजी सुश्री रनौत ने सोमवार को प्रतिष्ठित मंदिर में देवी मरियम्मा की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। ब्रह्मकलशोत्सव एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु आते हैं। बाद में, वह एक सार्वजनिक सभा में शामिल हुईं, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता बीएल संतोष भी मौजूद थे। सुश्री रनौत सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में अक्सर शामिल होती रहती हैं।

'खाकी: द बंगाल चैप्टर' का प्रीमियर 20 को

मुंबई/एजेन्सी

नीरज पांडे की फिल्म 'खाकी: द बंगाल चैप्टर' 20 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। फिल्म में जीत, प्रोसेनजीत चटर्जी, शाश्वत चटर्जी और परमब्रत चटर्जी जैसे नाम शामिल हैं। अभिनेता जीत ने कहा, सालों से लोग पूछ रहे हैं, 'बॉस और बंबा दा एक साथ कब आ रहे हैं?' खैर, हम आ गए! जो बात इसे और भी खास बनाती है, वह यह है कि यह नेटफ्लिक्स पर मेरा डेब्यू है। मुझे ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर गर्व है जो वैश्विक दर्शकों के लिए ऐसी प्रामाणिक कहानी पेश करता है।उन्होंने बताया कि प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना कितना फायदेमंद रहा। उन्होंने कहा, फिल्म में कमाल के एक्शन सीन्स हैं, जिसे मुझे करने में मजा आया। इस प्रोजेक्ट ने मुझे नए तरीकों से चुनौती दी, जिससे मुझे एक अभिनेता के रूप में बहुत कुछ सीखने का मौका मिला और मैं चाहता हूं कि हर कोई इस रोमांच, मनोरंजन का अनुभव करे। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। उम्मीद है कि यह सीरीज एक स्थायी छाप छोड़ने में कामयाब होगी। 'खाकी: द बंगाल चैप्टर' सीरीज साल 2000 की शुरुआत में एक ऐसे शहर में सेट की गई है, जहां अपराध का बोलबाला है। सत्ता के भूखे राजनेताओं के साथ ही गैंगस्टर भी हावी हैं। शहर में पांव पसार रहे अपराध को खत्म करने के लिए आईपीएस अर्जुन मैत्रा की एंट्री होती है और वह लोगों को न्याय दिलाने के लिए कड़े फैसले लेते हैं। शहर के हालात ऐसे हो जाते हैं कि वहां पर वफादारी और दोस्ती खत्म होती दिखती है और वे गुप्त शत्रु में बदल जाते हैं।

उत्साह व्यक्त करते हुए प्रोसेनजीत ने बताया कि पूरी कास्ट के साथ मिलकर काम करने में उन्हें कैसा लगा। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं नीरज पांडे जैसे निर्माता और नेटफ्लिक्स के साथ एक ऐसे प्रोजेक्ट के लिए जुड़ा, जो दर्शकों की नब्ज टटोलता है।

'खाकी: द बंगाल चैप्टर' सत्ता संघर्ष, एक्शन और कई अप्रत्याशित मोड़ पर आधारित है, जो दर्शकों को बांधे रखती है। उन्होंने आगे कहा, हमने इस कहानी को आकार देने में अपना दिल लगा दिया और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना हमने इसके निर्माण के दौरान मेहनत की। सीरीज का निर्माण फ्राइडे स्टोरीटेलर्स ने किया है और इसका निर्देशन देबात्मा मंडल और तुषार कांति रे ने किया है।

इसमें शाश्वत चटर्जी, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान, चित्रांगदा सिंह, पूजा चोपड़ा, आकांक्षा सिंह, मिमोह चक्रवर्ती और श्रद्धा दास भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'माँ की लाडली' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

जय यादव और आम्रपाली दुबे की बहुप्रतीक्षित फिल्म माँ की लाडली की शूटिंग पूरी हो गयी है। श्रेयस म्यूजिक स्टूडियो प्रस्तुत फिल्म माँ की लाडलीको सत्येंद्र यादव ने प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके निर्देशन की कमान रवि सिन्हा ने संभाली है।

इस फिल्म की कहानी को संतोष मिश्रा और विवेक मिश्रा ने लिखा है। फिल्म माँ की लाडली एक पारिवारिक और भावनात्मक कहानी पर आधारित है, जिसमें मां और बेटी के रिश्ते की अनकही दास्तां को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा गया है।

यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसको लेकर आम्रपाली दुबे ने अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इसकी कहानी में मां-बेटी के रिश्ते की गहराई और संघर्ष को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इस तरह की कहानियां बहुत कम देखने को मिलती हैं, और मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी।

कृति खरबंदा की फिल्म 'टाप्स ' का नया पोस्टर जारी किया

मुंबई/एजेन्सी

पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा ने उल्लास सम्राट की पहली फिल्म 'टाप्स ' का नया पोस्टर जारी किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधांशु सरिया ने पिछले महीने अपना जन्मदिन अपनी नवीनतम लघु फिल्म टाप्स की रिलीज के साथ मनाया, जो अरविंद कौलगी द्वारा निर्देशित है। बॉलीवुड के पावर कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म प्यार को उसके शुद्धतम रूप में खूबसूरती से दर्शाती है और अब यूट्यूब पर स्ट्रीमिंग कर रही है। रिलीज के बाद से ही 'टाप्स'को दर्शकों और आलोचकों दोनों से जबरदस्त सराहना मिल रही है। कई मशहूर हस्तियों ने भी सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ की है और हाल ही में अभिनेता पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा ने फिल्म की बारीक कहानी के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की है।मुख्य भूमिका में उल्लास जो पुलकित सम्राट के छोटे भाई हैं, इस फिल्म से अपनी शुरुआत कर रहे हैं।

पुलकित सम्राट ने अपने भाई के डेब्यू के बारे में बात करते हुए और उनकी सराहना करते हुए कहा, मेरे भाई ने अभी-अभी टाप्स में अपना एक्टिंग डेब्यू किया है, और क्या डेब्यू है! फिल्म के निर्देशक अरविंद ने प्यार के सार को बेहद खूबसूरती से कैद किया है। इस कहानी पर विश्वास करने के लिए सुधांशु, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। बधाई हो लोटस विजुअल प्रो और कशिश फिल्म फेस्टिवल! इस फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए ऋचा और अली का धन्यवाद। मुझे किसी तरह लगता है कि आप लोगों के पास सिनेमा की कोई न कोई महाशक्ति है क्योंकि आप जो भी हाथ लगाते हैं वो वाकई शानदार होता है। साथ ही, विनीत को भी बहुत-बहुत धन्यवाद, जो हमारे साथ नहीं हैं लेकिन प्यार के सार में मौजूद हैं। तो, टाप्स देखें! ओह हाँ, इसके अलावा, आज एक नया पोस्टर आ रहा है, इस जगह को देखें। टैप टैप!! कृति खरबंदा ने प्रशंसा पोस्ट में कहा, कभी-कभी, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे हम प्यार करते हैं, कुछ ऐसा खास करता है कि हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया को इसके बारे में पता चले। यह मेरे लिए एक ऐसा ही पल है। उल्लास, मैंने तुम्हें सपने देखते देखा है, मैंने तुम्हें कड़ी मेहनत करते देखा है, मैंने तुम्हें आगे बढ़ते देखा है और मैंने तुम्हें धैर्य रखते देखा है। और देखो, यह सब रंग ला रहा है। टाप्स यहाँ है और हर कोई इसे पसंद कर रहा है।

अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के नए पोस्टर का अनावरण करते हुए पुलकित ने कहा, हम आपके लिए विशेष रूप से अद्भुत लघु फिल्म टाप्स का दूसरा पोस्टर प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे आप अभी यूट्यूब पर देख सकते हैं! कृति और मैं इस फिल्म और इस पर पूरी टीम के काम पर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं - खासकर उल्लास। आप पर गर्व है भाई!

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्यों-ज्यों जीवहिंसा को बढ़ावा मिलेगा, त्यों-त्यों प्रकृति रूठेगी और आपदाओं का आगमन होता रहेगा। हम सभी को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि किसी को मारकर कोई कभी सुखी नहीं हो सकता। अपने सद्भाग्य के निर्माण के लिए सबको जीना हमें सीखना होगा। सिर्फ कुर्बानी ही नहीं, पशुबलि भी पापप्रद और गलत है। बलि से कोई दैविक शक्ति प्रसन्न होगी, यह मान्यता ही घोर अज्ञानता है।

पोट्रमरई गणेश मंदिर में वार्षिकोत्सव में उमड़े श्रद्धालु, हुए अनेक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै मुंडरमावड़ी सर्कल के समीप स्थित पोट्रमरई गणेश मंदिर में तीसरे वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोटस अपार्टमेंट के निवासियों के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव से भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 4:30 बजे पूजा-अर्चना एवं हवन से हुआ। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

प्रातः 9:30 बजे महाआरती के साथ इस दिव्य आयोजन की पूर्णाहुति हुई। इस अवसर पर पुजारीगण द्वारा मंदिर के सदस्यों एवं आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया।

मंदिर के इस महोत्सव में ग्लो एसोसिएशन की ओर से उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गईं। श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और मंदिर प्रबंधन को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

दादी परिवार के श्याम अखण्ड ज्योत पाठ में गूंजे बाबा के जयकारे

तिरूपुर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। शहर के दादी परिवार के तत्वावधान में गणेश मन्दिर में श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे गणेश वन्दना करके श्याम प्रभु कि ज्योत के साथ अखण्ड पाठ चालू किया जो कि दोपहर 3 बजे तक चला। पाठ के पश्चात भक्तों ने बाबा श्याम के साथ फूलों कि होली खेली। गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भक्तों ने बाबा श्याम के जयकारें से पूरा सभागार को गुंजायमान कर दिया। दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह, सरोज पित्ती, सुमन गुप्ता, मंजु पारस, सरिता तुलस्यान, चंदा डीडवानिया आदि उपस्थित थीं। प्रसाद वितरण में सागर कश्यप, भागीरथ, गोपाल आदि ने सेवा दी।

किसी को मारने से, उसे बचाने का अधिकार बड़ा है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

गौशालाओं को सरकार सब्सिडी दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। मंगलवार को शहर के पास नित्यानंदस्वामी आश्रम में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवदया की किसी बात का आवेदन लेकर अगर किसी संगठन के प्रतिनिधि सरकारी कार्यालयों में जाते हैं तो वहां उनसे मुजरिम की तरह पचास प्रश्न पूछे जाते हैं। जीवदया की बातों पर कोई ध्यान नहीं देता। सरकारों के पास कत्लखाने, मत्स्य उद्योग, पोल्ट्री फार्म, खेलकूद, उद्यान और बड़े-बड़े महोत्सवों के लिए बजट है, पर पशु-पक्षियों के लिए कुछ भी नहीं। किसी नेता या सरकारी अधिकारी को अहिंसा और जीवदया की कोई परवाह नहीं है। यह सौतेला व्यहार सर्वथा बंद होना चाहिए। जीवदया और अहिंसा की बातों को महत्व देकर तत्काल उन पर कार्यवाही होनी चाहिए। सरकारों और प्रशासनिक अधिकारियों को सर्वोच्च न्यायालय का यह आदेश संज्ञान में लेना चाहिए कि मारने के अधिकार से बचाने का अधिकार बड़ा है। अगर किसी को मारने का अधिकार है तो हमें बचाने का अधिकार मिलना चाहिए। यही सच्चा न्याय है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्तमान युग में हिंसा संगठित हो गई है, जबकि अहिंसा अकेली पड़ गई है। अहिंसक और शाकाहारी समाज की उदासीनता भी इसके लिए जिम्मेदार है। हिंसा को मिलती सरकारी सहायता अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह दुःखद और गौरतलब तथ्य है कि राम, कृष्ण, महावीर, गौतम बुद्ध और नानक के इस अहिंसक देश में मत्स्य उद्योग, पोल्ट्री फार्म और कत्लखानों को सरकार सब्सिडी देती है, जबकि पांजरापोल और गौशालाओं को कुछ नहीं मिलता। उन्हें परेशान होना पड़ता है। प्रतिदिन लोगों से पैसे मांग-मांगकर पशु-पक्षियों की देखभाल करना पड़ता है। भारतीय संविधान मानवता की दुहाई देता है, लेकिन दूसरी तरफ सरकारें गौशालाओं के लिए जमीन या कोई सुविधाएं देने को तैयार नहीं होती।

गणि पद्मविमलसागरजी ने भी अपने विचार प्रकट किए। चित्रदुर्ग के विधायक वीरेंद्र पप्पी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर जैनाचार्य से आशीर्वाद ग्रहण किए और उनसे अनेक विषयों की चर्चा की। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने उनसे कहा कि वे कर्नाटक के पांजरापोल और गौशालाओं को सरकारी सहायता और सुविधाएं दिलाने का प्रयत्न करें। मंगलवार प्रातः संतगण हिरियूर से पदयात्रा करते हुए नित्यानंद स्वामी आश्रम पहुंचे।

ललवाणी बने मेड़ता सिटी एसोसिएशन के अध्यक्ष, सिसोदिया बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट में मेड़ता सिटी जैन एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष पदमचंद ललवाणी ने अपनी टीम की घोषणा की। पदमचंद ललवाणी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने अपनी टीम की घोषणा की। कार्याध्यक्ष एम. संपतराज बाघमार, महामंत्री महावीरचंद सिसोदिया, कोषाध्यक्ष आर.महावीरचंद, उपाध्यक्ष प्रवीणकुमार झामड, विजयराज बाघमार की घोषणा की। ललवाणी ने कहा कि अध्यक्ष पद तो एक व्यवस्था है, आप सबको मेरे साथ सहयोग करके संगठन के विकास में अपनी अहम भूमिका निभानी है। महावीरचंद सिसोदिया ने कहा कि हम मालिक नहीं, माली बनकर एसोसिएशन रूपी बगीचे की सेवा करेंगे। ललवाणी ने नए पदाधिकारियों का सम्मान किया तथा मनोनयन पत्र सौंपा। बैठक में होली स्नेह मिलन समारोह के विषय पर चर्चा हुई। सभा का संचालन महामंत्री सिसोदिया ने किया।

सुंदरम फाइनेंस ने लॉन्च की डिजिटल डिपॉजिट की नई सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड ने डिजिटल डिपॉजिट की नई सुविधा शुरू की है, जिससे बचत अब पहले से भी आसान, सुरक्षित और सुलभ हो जाएगी। सुंदरम फाइनेंस पिछले 70 वर्षों से भरोसे और वित्तीय सुरक्षा का प्रतीक बना हुआ है। अब सुंदरम फाइनेंस के साथ डिपॉजिट खोलना बस एक क्लिक की दूरी पर है। ग्राहक एक सुरक्षित और आसान डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से अपनी जमाराशि को निवेश और प्रबंधित कर सकते हैं और साथ ही आकर्षक रिटर्न का भी लाभ उठा सकते हैं। सुंदरम फाइनेंस डिजिटल डिपॉजिट के जरिए निवेशक घर बैठे अपनी बचत को बढ़ा सकते हैं। अब वे अपनी सुविधा के अनुसार डिपॉजिट खोलने, प्रबंधित करने और उसकी निगरानी करने का विकल्प चुन सकते हैं। सुंदरम फाइनेंस में डिपॉजिट्स के प्रमुख धनदयुथापानी एस. ने कहा कि सुंदरम फाइनेंस कई पीढ़ियों से वित्तीय सुरक्षा का भरोसेमंद नाम बना हुआ है। डिजिटल डिपॉजिट की सुविधा शुरू करके, हम निवेश की प्रक्रिया को और भी सरल और सुगम बना रहे हैं।

'रंगीलो फागण' कार्यक्रम में उड़ी होली की गुलाल, हुई धमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में 'रंगीलो फागण' कार्यक्रम का आयोजन किया। सबसे पहले संगठन की सुनीता मूँदड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के उपाध्यक्ष महेश रांदड़ ,माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी भगवानदास बल्दवा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्य सावित्री मालू, सुशीला राठी, माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, कार्यक्रम के प्रायोजक सुनील बजाज, वेणुगोपाल बजाज, अवतारमणी बजाज, गायिका राधा बागड़ी आदि ने पूजा की एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। उत्सव में दीपा बल्दवा, शीतल सोनी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। राधा बागड़ी ने राजस्थानी फागण के गीत टूटी बाजू बन्द री लूम , होलियाँ में उड़े रे गुलाल, मिश्री को बाग लगा दो रसिया आदि पर धमाल की थाप से माहौल को रंगारंग बना दिया। प्रीति मंत्री ने राजस्थान के प्रमुख नृत्य 'घूमर' की प्रस्तुति दी। संचालन रितू चितलांग्या व वृंदा बागड़ी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गायत्री मालपानी ने किया ।

वर्तमान और भविष्य दोनों को आकार देती है सिंधु सभ्यता : राज्यपाल आरएन रवि

वैष्णव महाविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग और दक्षिण भारतीय अध्ययन केंद्र ने सिंधु सभ्यता: इसकी संस्कृति और लोक -पुरातात्विक अंतर्दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में वैष्णव कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि एवं अन्य लोगों का स्वागत किया। डॉ एस संतोष बाबू ने कॉलेज के कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया के साथ मिलकर राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस मौके पर राज्यपाल आरएन रवि ने दक्षिण भारत अध्ययन केंद्र के प्राचार्य, कोषाध्यक्ष और निदेशकों को पुस्तक देकर सम्मानित किया। कला और उत्कृष्टता केंद्र की निदेशक रमादेवी शेखर ने सम्मेलन को संबोधित किया। राज्यपाल ने डॉ. कल्याणरामन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

आरएन रवि ने कहा कि सिंधु सभ्यता मरी नहीं है, बल्कि बहुत जीवंत है और इतिहास केवल अतीत नहीं है। यह वर्तमान और भविष्य दोनों को आकार देती है। उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता, आर्यों, सप्त सिंधु नदियों और भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के बारे में ऐतिहासिक जानकारी दी। उन्होंने उन तरीकों पर भी बात की जिनसे ब्रिटिश शासन ने भारतीय सभ्यता की प्रगति में बाधा डाली और सरस्वती नदी के महत्व और भारतीय इतिहास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बात की। उद्घाटन सत्र के समापन पर धरणी गुणसेकरन ने धन्यवाद दिया।

गुरु स्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहूकारपेट में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज जालौर पट्टी के तत्वावधान में समाज के संतश्री माधवदासजी महाराज की पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर जालौर पट्टी के सूर्य मंडल,माधव महिला मंडल, भास्कर युवा मंडल के सभी सदस्यों ने पूजा अर्चना आरती की तथा संतश्री के गुणों को याद किया।इस मौके पर चंदनमल शर्मा, घनश्याम शर्मा, दिनेश शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, डार्विन शर्मा, अशोक शर्मा, नरेश शर्मा, विकास शर्मा, भेरू शर्मा, रवि शर्मा, भास्कर शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर तेरापंथ महिला मंडल ने

कवियत्री कंचन सेठिया को 'प्रेरणा सम्मान' से किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। शहर केशंकरनगर स्थित तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार इस बार सभी क्षेत्रीय मंडलों को अपने अपने शहर में साहित्य तथा विशेषकर कविता लेखन में जो भी तेरापंथी महिला सदस्य विशेष ओहदा रखती हो उन्हें प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया जाना था। मंडल ने साहित्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित कवियत्री कंचन पींचा का सम्मान किया। इस आयोजन में अभातेम मंडल की चीफ़ ट्रस्टी दिल्ली निवासी पुष्पा बैंगानी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई। बैंगानी ने कंचन सेठिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मंडल की अध्यक्ष पुष्पा बाफना ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में दिगंबर समाज से पूजा जैन, डॉ प्रियंका जैन, स्थानकवासी समाज से निधि खटोर, अभिव्यक्ति समूह से कविता मौर्या, कविता गुप्ता, तेरापंथी समाज से ममता बोहरा, मीनु सुराणा, सपना बाफना, उच्छब डुंगरवाल आदि ने अपनी अपनी काव्य रचनाओं का वाचन किया। नीलम सेठिया ने कंचन सेठिया के सेलम तेरापंथ महिला मंडल के विकास में दिए योगदान को याद किया। शर्मिला सिंघवी व आशा डुंगरवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। मंत्री नीतु सेठिया ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निवेदन

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, पूर्व सहमंत्री विपुल पोरवाल, साधु साध्वी सेवा समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख, कमलेश कोठरियां, भोजन वितरण समिति चेयरमैन आशीष तालेड़ा, रितेश धोखा, वैभव गोठी ने संगठन के संस्थापक श्रमण संघीय वरिष्ठ सलाहकार श्री सुमतिप्रकाशजी व डॉ विशालमुनिजी के शिष्य समकितमुनिजी के दर्शन कर 10 अप्रैल को आयोजित 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.